RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:88 ता. 28 सितम्बर 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आज लता मंगेशकर चौक का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को तीर्थ नगरी अयोध्या में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की स्मृति में एक चौक का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरयू नदी के तट पर स्थित नया घाट क्षेत्र को 7.9 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट से लता मंगेशकर चौक विकसित किया गया है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को तीर्थ नगरी अयोध्या में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की स्मृति में एक चौक का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरयू नदी के तट पर स्थित नया घाट क्षेत्र को 7.9 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट से लता मंगेशकर चौक विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को तीर्थ नगरी अयोध्या में स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की स्मृति में एक चौक का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरयू नदी के तट पर स्थित नया घाट क्षेत्र को 7.9 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट से लता मंगेशकर चौक विकसित किया गया है। संबंधित जगह का मुख्य आकर्षण यह है

कि वहां भारतीय संगीत वाद्ययंत्र वीणा स्थापित किया गया है जिसका वजन 14 टन, लंबाई 40 फुट और ऊंचाई 12 मीटर है।

स्मारक पर्यटकों और संगीत प्रेमियों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा क्योंकि यह देश का पहला स्थान होगा जहां अमर सुरीली आवाजों को मंदिर शहर से जोड़ने के लिए इतना विशाल संगीत वाद्ययंत्र स्थापित किया गया है। मोदी 28 सितंबर को महान गायिका की 93वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में स्मारक का वर्चुअलउद्घाटन करेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का प्रबंधन कर रहे अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने पीटीआई-को बताया कि अयोध्या की महान परियोजनाओं में शामिल इस परियोजना की लागत 7.9 करोड़ रुपये है और इसे दुनिया की उत्कृष्ट कृति के रूप में चिह्नित करने का प्रयास किया गया है। सिंह ने कहा कि विशाल आकार का वीणा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित राम सुतार ने बनाया है, जिन्हें इसे बनाने में दो महीने लगे थे। उन्होंने कहा, खूबसूरती से डिजाइन वीणा पर संगीत की देवी सरस्वती का चित्र उकेरा गया है। लता मंगेशकर के निधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के प्रमुख स्थान नया घाट को उनके नाम पर विकसित करने की योजना की घोषणा की थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के विशेष प्रतिनिधि के रूप में, सिंह ने गायिका की बहन उषा मंगेशकर और परिवार के अन्य सदस्यों को स्मारक के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण देने के लिए शनिवार को मुंबई का दौरा किया था।

स्मारक पर्यटकों और संगीत प्रेमियों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा क्योंकि यह देश का पहला स्थान होगा जहां अमर सुरीली आवाजों को मंदिर शहर से जोड़ने के लिए इतना विशाल संगीत वाद्ययंत्र स्थापित किया गया है।

केंद्र की तर्ज़ पर उत्तराखंड मंत्रिमंडल में भी बड़े फेरबदल के आसार, नये चेहरों की होगी एंट्री

देहरादून। उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। सूत्रों की मानें तो पिछले साल केंद्र में हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार की तर्ज पर ही राज्य में भी बड़ा विस्तार किया जा सकता है

जिसमें कई दिग्गजों की छुट्टी हो सकती है और नये चेहरों को एंट्री मिल सकती है। सूत्रों के अनुसार भाजपा आलाकमान मंत्रिमंडल विस्तार की योजना को अंतिम रूप देने की तैयारियों में जुटा है। सूत्रों के अनुसार अगले माह के शुरू में मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है। इस बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट से अलग-अलग फीडबैक भी लिया गया है। सूत्रों के अनुसार आलाकमान राज्य में सरकार के कामकाज में सुधार लाने और हाल की घटनाओं से बिगड़ी छवि को बदलने के लिए बड़ा बदलाव कर सकता है। कोशिश यह है कि मंत्रिमंडल का चेहरा बदलकर सरकार को लेकर जनता में अच्छा संकेत दिया जाए।

भरे जाएंगे मंत्रियों के खाली पद

सूत्रों की मानें तो जिस प्रकार पिछले साल केंद्र में कैबिनेट विस्तार में अनेक बड़े चेहरों को बदल दिया गया था, वैसा ही कुछ नजारा उत्तराखंड में देखने को मिल सकता है। कई बड़े चेहरों की छुट्टी हो सकती है। जबकि मंत्रियों के तीन खाली पदों को भरा जाएगा। राज्य में कुल 12 मंत्री बन सकते हैं जबकि अभी महज नौ हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश- ताज महल के 500 मीटर के दायरे से हटें सभी दुकानें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आगरा विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि ऐतिहासिक स्मारक ताज महल की चारदीवारी से पांच सौ मीटर के दायरे में कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। इस क्षेत्र में जारी सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों और दुकानों को वहां हटाया जाए। बतौर न्यायिक मित्र अदालत की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एडीएन राव ने जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस.ओक की खंडपीठ के समक्ष अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

वाणिज्यिक गतिविधियों को रोका जाएगा

दिशा-निर्देशों में बताया गया है कि ताज महल के आसपास की सभी वाणिज्यिक गतिविधियों को रोका जाएगा। यह स्मारक यूनेस्को की विश्व विरासत की श्रेणी में आता है। सर्वोच्च अदालत को बताया कि गया कि ऐसा ही एक आदेश मई, 2000 में भी जारी किया गया था। लेकिन फिर से वही आदेश पारित करना उपयुक्त होगा और इस बात पर आगरा विकास प्राधिकरण ने भी अपनी सहमति दे दी।

पांच सौ मीटर के दायरे में कोई दुकान नहीं

अपलोड किए आदेश में कहा गया है कि ताजमहल स्मारक की चारदीवारी और उससे लगी दीवारों से पांच सौ मीटर के दायरे में आने वाली सभी दुकानों और व्यापारिक ठिकानों को बंद कर दिया जाएगा। सर्वोच्च अदालत ने दुकानदारों के एक समूह

की याचिका पर यह आदेश पारित किया है।

अवैध व्यापारिक गतिविधियां हो रही

आदेश के अनुसार दुकानदारों को 500 मीटर के दायरे के बाहर दुकानें अलाट की गई हैं। दुकानदारों के वकील ने कहा कि ताज महल के पश्चिमी दरवाजे के पास स्थिति अवैध व्यापारिक गतिविधियों के कारण अदालती आदेश का उल्लंघन हो रहा है।

कश्मीर घाटी में रेल लाइन का विद्युतीकरण पूरा-जीएम

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने बताया कि जम्मू एवं कश्मीर में ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना में एक और बड़ी उपलब्धि उत्तर रेलवे को प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर रेलवे पर ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन हासिल करने और विशेष रूप से कश्मीर घाटी में विद्युतकर्षण से रेलगाड़ी चलाने के लिए बनिहाल-श्रीनगर-बारमुला रेल सेक्शन के विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो गया है।

जीएम आशुतोष गंगल ने बताया कि उत्तर रेलवे ने प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर द्वारा 24 सितंबर से 26 सितंबर तक किए गए वैधानिक निरीक्षण के बाद बनिहाल-श्रीनगर-बारामुला रेल सेक्शन को चालू कर दिया गया है। इस परियोजना को ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना द्वारा क्रियान्वित किया गया। इस सेक्शन के विद्युतीकरण में एक अनूठा उदाहरण स्थापित हुआ है। इसके अंतर्गत पीरपंजाल पर्वत श्रेणियों में स्थित भारतीय रेलवे की सबसे लम्बी यातायात सुरंग

(11.2 किलोमीटर) का भी विद्युतीकरण किया गया है। बर्फ से ढंकी कश्मीर घाटी में 1700 मीटर की ऊंचाई पर बनी सुरंग का विद्युतीकरण एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। ओएचई के विशेष डिजाइन और 216 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा के अनुकूल विद्यत आपूर्ति करना व कंडक्टरों पर आईस लोडिंग के मद्देनज़र कश्मीर घाटी में रेलवे लाइन का सफलतापूर्वक विद्युतीकरण एक चुनौती थी। 3 फेज़ व 8 डिब्बों वाली एमईएमयू रेलगाड़ी द्वारा इस परीक्षण को 100 किलोमीटर प्रति घंटा पर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। बनिहाल-बारामुला विद्युतीकृत सेक्शन का परियोजना में 16 स्टेशन शामिल है इस परियोजना की लागत 353.70 करोड़ रुपये हैं, इस मार्ग की लम्बाई 137.73 रूट किलोमीटर, ट्रैक की लम्बाई (ओएचई) 200 ट्रैक किलोमीटर सब-स्टेशन (टीएसएस) 03 (काजीगुंड, बडगाम और बारामुला), स्विचिंग स्टेशन 11 (2एसपी और 09 एसएसपी) ट्रांसमिशन लाइन 23.25 किलोमीटर (3 ट्रांसमिशन) हैं।

क्लीन गंगा का काम आंखों में धूल झोंकने वाला, मिशन केवल पैसा बांटने की मशीन-इलाहाबाद हाईकोर्ट

● **इलाहाबाद हाईकोर्ट गंगा सफाई पर टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा कि क्लीन गंगा का काम आंखों में धूल झोंकने वाला है। कोर्ट ने कहा कि यह मिशन केवल पैसा बांटने की मशीन बनकर रह गया है**

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा का काम आंखों में धूल झोंकने वाला है।

कोर्ट ने कहा कि यह मिशन केवल पैसा बांटने की मशीन बनकर रह गया है। इसके बजट के पैसे से गंगा की सफाई हो रही है कि नहीं, इसकी न तो निगरानी हो रही है और न ही जमीनी स्तर पर कोई काम दिख रहा है। यह टिप्पणी मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता एवं अजित कुमार की पूर्णपीठ ने गंगा प्रदूषण मामले में सुनवाई के दौरान मिशन के बजट का ब्योरे की जानकारी मांगने पर सामने आई स्थिति के मद्देनजर की। कोर्ट ने पूछा कि इस मिशन के तहत गंगा सफाई के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपये के बजट से काम हुआ या नहीं तो इसका कोई जवाब नहीं मिला। इसके पूर्व सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने मिशन से जुड़े विभिन्न बोर्ड व विभागों के हलफनामों पर बारी बारी से जानकारी मांगी।

पीएफआई के ठिकानों पर फिर एनआईए की छापेमारी, दिल्ली-यूपी और असम से हिरासत में कई सदस्य

नई दिल्ली। आतंकी फंडिंग के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी फिर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए ने मंगलवार सुबह असम और यूपी के अलावा कई राज्यों में छापा मारा है। छापेमारी के दौरान एनआईए ने पीएफआई के कई सदस्यों को हिरासत में लिया है।

असम से चार सदस्य हिरासत में लिए गए

असम के एडीजीपी (स्पेशल ब्रांच) हीरेन नाथ ने बताया कि नगरबेरा इलाके से पीएफआई के चार सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में कई जगहों पर पीएफआई के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा है।

पीएफआई रेड आतंकी फंडिंग को लेकर एनआईए फिर कई राज्यों में छापेमारी कर रही है। दिल्ली यूपी और असम से पीएफआई के कई सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले 22 सितंबर को भी कई राज्यों में छापेमारी की गई थी।

यूपी में भी छापेमारी

एनआईए की टीम ने यूपी के कुछ इलाकों में भी छापेमारी की है। एनआईए ने बुलंदशहर और मेरठ में छापा मारा है। एनआईए के सूत्रों के मुताबिक, यूपी में भी पीएफआई के कई सदस्यों को हिरासत में लिया गया है।

22 सितंबर को 15 राज्यों में हुई थी छापेमारी

इससे पहले एनआईए ने ईडी और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर 22 सितंबर को 15 राज्यों में पीएफआई के 93 ठिकानों पर रेड की थी। छापेमारी में पीएफआइ के अध्यक्ष ओएमए सलमान, पी कोया, ई अबूबकर, इलामरम और सीपी मोहम्मद बसीर समेत 106 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान आतंकी गतिविधियों व फंडिंग से जुड़े अहम दस्तावेज भी बरामद किए गए।

युवाओं को आतंकी ट्रेनिंग देने का आरोप

एनआइए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि छापे के दौरान कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। जिससे पता चलता है कि पीएफआई देश में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने, युवाओं को आतंकी प्रशिक्षण देने, दंगे भड़काने और निर्दोष लोगों की हत्या करने के साथ-साथ युवाओं को कट्टरता का पाठ पढ़ाकर उन्हें आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल होने के लिए उकसाता था।

समुद्री जंग के लिए मई, 2023 तक तैयार होगा पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत ‘विक्रांत’

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 02 सितम्बर को भले ही भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत ‘विक्रांत’ राष्ट्र को सौंप दिया है, लेकिन यह युद्धपोत मई, 2023 तक जंग के लिए तैनात किया जायेगा। अभी इस जहाज को समुद्री जंग ले लिहाज से तैयार किया जा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति के बीच इस युद्धपोत की तैनाती भारत की ताकत बढ़ाएगी। नौसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीवी चौधरी ने कहा कि विक्रांत का संचालन शुरू होने के बाद ही 2023 में नए विमानवाहक पोत पर निर्णय लिया जाएगा। होने के बाद स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत मई, 2023 तक युद्ध के लिए तैयार हो जाएगा। पोत पर 30 विमानों के बेड़े में 18 मिग-29 और 12 हेलिकॉप्टर होंगे। कामोव के अलावा अमेरिका से खरीदे गए एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर भी शक्तिशाली पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के साथ बोर्ड पर होंगे। विमानवाहक पोत को लड़ाकू जेट विमानों के साथ उड़ान भरने और सतह से हवा में मार करने वाली बराक मिसाइलों से लैस होने में 5-6 महीने लग सकते हैं। जहाज से उड़ान परीक्षण नवंबर तक शुरू होने की

जाना चाहिए। पोत का फ्लाइंग डेक 262 मीटर लंबा और 62.4 मीटर चौड़ा है, जो दो फुटबॉल मैदानों के बराबर है। इसमें दो स्पष्ट रूप से सीमांकित रनवे हैं जिनमें हेलीकॉप्टरों के लिए चक्कर लगाए गए हैं। जहाज के खाना चपातियां बन सकती हैं। खाना पकाने के क्षेत्र नए गैजेट्स, रोटी मेकर के साथ तैयार किए गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जहाज पर सवार कर्मचारी भूखे न रहें। आईएनएस विक्रांत की जंगी तैनाती से भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में भारी वृद्धि होगी। अब तक नौसेना के पास आईएनएस विक्रमादित्य के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। भारतीय नौसेना ने कहा कि अत्याधुनिक उपकरणों और प्रणालियों से लैस जहाज में नवीनतम चिकित्सा उपकरण सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा आपातकालीन मॉड्यूलर ओटी, फिजियोथेरेपी क्लिनिक, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, सीटी स्कैनर, एक्स-रे मशीन, डेंटल कॉम्प्लेक्स, आइसोलेशन वार्ड और टेलीमेडिसिन सुविधाएं शामिल हैं। आईएनएस विक्रांत 45 दिनों के लिए ईंधन भरने की आवश्यकता के बिना भारत के पूरे समुद्र तट को लगभग दो बार कवर कर सकता है। बिना ईंधन भरे यह जहाज ब्राजील तक जा सकता है। इससे उत्पन्न बिजली कोच्चि शहर को रोशन करने के लिए पर्याप्त है। युद्धपोत के कमांडिंग ऑफिसर कमोडोर विद्याधर हरके का कहना है कि में इजाफा करेगा न कि किसी विरोधी को निशाना बनाने की। शुरुआत में योजनाकारों ने चार विमान वाहक की परिकल्पना की थी, लेकिन अब भारत के पास दो विमान वाहक हैं, लेकिन एक तीसरा महत्वपूर्ण है। यानी अब भारत के पास हर समय दो विमानवाहक पोत होंगे। एक अगर मेंटेनेंस के लिए जाता है तो दूसरा चालू रहेगा। भारतीय नौसेना तीसरे विमानवाहक पोत के लिए जोर दे रही है। इसीलिए नौसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीवी चौधरी ने कहा कि विक्रांत का संचालन शुरू होने के बाद ही 2023 में नए विमानवाहक

सार समाचार

हिंदू पत्नी ने बुर्का पहनने से किया इनकार, इकबाल मोहम्मद ने गला रेत कर की हत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में पति ने 23 साल की पत्नी को दिनदहाड़े चाकू से गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। मुंबई निवासी इकबाल मोहम्मद शेख ने बुर्का पहनने से इनकार करने और इस्लामी प्रथाओं का पालन करने से इनकार करने के लिए तिलक नगर इलाके में अपनी हिंदू पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित परिवार द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर घटना के तुरंत बाद शेख को हिरासत में ले लिया गया। पीड़िता रूपाली और आरोपी इकबाल मोहम्मद शेख की शादी को तीन साल हो चुके थे। अपनी शादी के बाद से रूपदी को शेख के परिवार से इस्लामी परंपरा का पालन करने और बुर्का पहनने के लिए लगातार दबाव का सामना करना पड़ा। लेकिन रुपाली इसके लिए राजी नहीं होती थी। इसी बात पर दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होती थी। आखिरकार, 22 वर्षीय ने इस्लामी प्रथाओं को लेकर घरेलू झगड़े के कारण अलग रहने का फैसला किया। कहा जाता है कि हत्या सोमवार, 26 सितंबर की शाम को हुई थी, जब शेख अपनी पत्नी से मिला था। रूपाली ने इकबाल शेख से मुलाकात की और तलाक की मांग की लेकिन वह स्वीकार करने को तैयार नहीं था क्योंकि उनके साथ एक बच्चा है। इसके बाद उस व्यक्ति ने अपने बेटे की कस्टडी मांगी, जिसका महिला ने विरोध किया। जब उसने मांगें नहीं मानीं तो इकबाल शेख ने चाकू से उसका गला काट दिया और मौके से फरार हो गया।

अंकिता की पीएम रिपोर्ट में खुलासा, मौत की बताई गई ये वजह

देहरादून । उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी की संदिग्ध मौत मामले में एसआईटी ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। एसआईटी की टीम अब रिसार्ट के स्टाफ के बयान दर्ज कर रही है। अंकिता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। जिसमें उसकी मौत का कारण दम घुटना और पानी में डूबने से हुई बताई गई है। वहीं अंकिता के स्वजन पोस्टमार्टम के बाद से ही उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे थे। सोमवार देर शाम उन्हें भी यह रिपोर्ट उपलब्ध करा दी गई। इस बीच मामले की जांच कर रही एसआइटी ने रिसार्ट पहुंचकर वहां के स्टाफ के बयान दर्ज किए। घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य एकत्र किए। अब आरोपियों को रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्या सहित गिरफ्तार तीनों आरोपियों को एसआइटी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। इसके लिए मंगलवार को अदालत में अर्जी दाखिल की जा सकती है। वहीं एम्स के चार डाक्टरों के पैनल ने अंकिता का पोस्टमार्टम किया था। अंकिता के शव का पोस्टमार्टम एम्स ऋषिकेश के चार डाक्टरों के पैनल ने किया है। सोमवार शाम को विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट एसआइटी को मिल गई। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना और डूबना बताया गया है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट मृतका के स्वजन के साथ भी साझा कर दी गई है।

कश्मीर में 'बेवजह' ट्रक रोके जाने से नाराज फल विक्रेताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेब से लदे ट्रकों को रोके जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है क्योंकि इसके विरोध में कश्मीर घाटी के फल विक्रेताओं ने दो दिन के लिए फल मंडियों को बंद रखने का ऐलान कर दिया। साथ ही फल विक्रेताओं ने सेबों को आग के हवाले करते हुए श्रीनगर में बड़ा प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रेस एंक्लेव में नारेबाजी करते हुए कहा कि उपराज्यपाल को हमारी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का संचालन बनाये रखने के उपाय करने चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फलों से लदे ट्रकों को पांच-पांच छह दिन बिना कारण बताये रोक दिया जाता है जिससे फल खराब हो जाते हैं और लाखों रुपए का नुकसान हो जाता है। प्रभासाक्षी के साथ खास बातचीत में फल विक्रेताओं ने कहा कि उपराज्यपाल चाहें तो एक दिन में सारी समस्या का हल हो सकता है इसलिए हमने यहां आकर अपनी बात रखने का फैसला किया। हम आपको बता दें कि कश्मीर वेली फ्रूट्स ग्रोवर्स एण्ड डीलर यूनियन का यह भी कहना है कि त्योहारी सीजन में हजारों गाड़ियां रास्ते में रोके जाने से बड़ा नुकसान हो रहा है। यूनियन का कहना है कि पहले ही सेब सस्ते दामों पर बिक रहा है ऐसे में यदि फसल रास्ते में ही खराब हो गयी तो और नुकसान उठाना पड़ेगा। यूनियन ने कहा है कि यह सिर्फ कश्मीर का ही नहीं बल्कि देश का भी मसला है। यूनियन का कहना है कि हमने कई बार इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलाया लेकिन कोई मदद नहीं की गयी। वहीं ट्रक चालकों की भी शिकायत है कि कई-कई दिन तक ट्रक खड़े रहने के कारण हमें हमारी मजूदरी मिलने में दिक्कत आ रही है।

झारखंड- 55 वर्षीय महिला को डायन बता भतीजे ने धारदार हथियार से की हत्या, गिरफ्तार

रांची । झारखंड से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आ रही है यहां मंगलवार को रांची जिले के तमाड़ क्षेत्र अंतर्गत बारेडीह गांव में एक 55 वर्षीय महिला को डायन करार देकर उसके अपने ही भतीजे ने धारदार हथियार से काट डाला। आरोपी जय स्वांसी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके पहले बीते चार सितंबर को रांची जिले के ही सोनाहातू में ग्रामीणों ने तीन महिलाओं को डायन बताते हुए पीट-पीटकर मार डाला था। 24 सितंबर को दुमका जिले में तीन महिलाओं सहित चार लोगों को इसी तरह के संदेह में बुरी तरह पीटा गया था और उन्हें मल-मूत्र पीने को मजबूर किया गया था। मंगलवार को तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बारेडीह गांव में हुई वारदात के बारे में बताया गया कि पूरन स्वांसी की 55 वर्षीया पत्नी सरला देवी सुबह अपने खेत में गोबर फेंकने के लिए गई थी, तो वहां घात लगाये बैठे उसके भतीजे जयदेव स्वांसी ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर दिया। मौके पर ही महिला ने दम तोड़ दिया। महिला के पति पूरन स्वांसी उसे बचाने के लिए आगे आये तो भतीजे ने उनपर भी हमला किया। उन्होंने खुद को बचाते हुए शोर मचाया। वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि हत्या की वजह डायन अंधविश्वास के बजाय आपसी विवाद हो सकता है। बुंडू डीएसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि दोनों परिवारों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़ा हुआ करता था। इधर दुमका में बीते शनिवार को तीन महिलाओं सहित चार लोगों को मल-मूत्र पिलाने के मामले में सभी छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बारिश के बाद दिल्ली में डेंगू का कहर, चार दिनों में सामने आए 129 नए मामले, कुल संख्या 500 के पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी हुई हैं। सोमवार को डेंगू के 22 नए मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में डेंगू के लगभग 130 नये मामले सामने आने के साथ ही इस साल अब तक इससे पीड़ित लोगों की संख्या 500 से अधिक हो गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। राजधानी में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते मच्छर जनित बीमारियों के मामलों में तेजी देखने को मिली है। दिल्ली नगर

निगम (एमसीडी) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, केवल इसी महीने 21 सितंबर तक डेंगू के 281 मामले सामने आए हैं। वहीं, दिल्ली में 17 सितंबर तक डेंगू के 396 मामले दर्ज किए गए थे। पिछले कुछ दिनों में 129 नये मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल 21 सितंबर तक दर्ज किए गए कुल 525 मामलों में से 75 अगस्त महीने में दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, यह 2017 के बाद से एक जनवरी से 21 सितंबर की अवधि के दौरान दर्ज किए गए डेंगू के मामलों की सर्वाधिक संख्या है। साल 2017 में यह आंकड़ा 1,807 था। हालांकि, इस साल मच्छर जनित बीमारी के कारण अब तक किसी मरीज की मौत की खबर नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में इस साल 21 सितंबर तक मलेरिया के 106 और चिकनगुनिया के 20 मामले भी सामने आए हैं। नगर निगम ने बाद में एक बयान में कहा कि डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए एक अभियान चलाया गया है।

'उद्योगपतियों का क़र्ज़ किया जा रहा माफ़', राहुल गांधी के आरोप पर अनुराग ठाकुर का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इन दिनों कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। इसका नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं। राहुल गांधी का दावा है कि भारत जोड़ो यात्रा के जरिए देश में फैले नफरत को खत्म करने में मदद मिलेगी। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि 2024 चुनाव को लेकर पार्टी अपनी जमीनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। वहीं, राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर भी हमलावर हैं। सोमवार को राहुल गांधी ने ट्वीट के जरिए मोदी सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि बड़े उद्योगपतियों का अरबों का कर्ज मोदी सरकार माफ कर रही है। इसी को लेकर अनुराग ठाकुर की ओर से पलटवार किया गया है।

वार-पलटवार का दौर

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा था कि आज बड़े उद्योगपतियों का अरबों का क़र्ज़ माफ़ किया जा रहा है। लेकिन, अगर एक किसान या छोटा व्यापारी, छोटा सा भी क़र्ज़ न लौटा पाए तो उसे 'Defaulter' बता कर जेल में डाल देते हैं। भारत जोड़ो यात्रा, हर अन्याय के खिलाफ़ है। राजा के ये 'दो हिंदुस्तान' भारत स्वीकार नहीं करेगा। वहीं, पलटवार करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल जी की यात्रा पीट रही है, समर्थन नहीं मिल रहा है और राजस्थान में दो गुट लड़ रहे हैं और वो कांग्रेस को संभाल नहीं पा रहे हैं और उनका(राहुल गांधी) ऐसा ट्वीट करना उनकी मानसिकता को दिखाता है कि वो क्या सोच रहे हैं।

महंगाई को लेकर भी राहुल लगातार मोदी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। राहुल ने ट्वीट कर लिखा था कि महंगाई! भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैं जहां भी जा रहा हूं, लोग इस मुद्दे से बहुत ज़्यादा परेशान हैं। प्रधानमंत्री जनता की तकलीफ़ को जानबूझ कर अनदेखा कर रहे हैं। भारत की हर दुःख भरी पुकार को हुंकार बनाएंगे, भारत जोड़ते जाएंगे। राहुल ने आरोप लगया कि मोदी सरकार 'दो हिंदुस्तान' बना रही है। एक हिंदुस्तान अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। भारत की जनता 'दो हिंदुस्तान' वाली विचारधारा को स्वीकार नहीं करेगी। इसलिए आज भारत जोड़ो यात्रा की जरूरत है।

एकनाथ शिंदे गुट को सुप्रीम कोर्ट से राहत, चुनाव आयोग की कार्रवाई पर नहीं लगी रोक

मुंबई। (एजेंसी)।

एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के अलग होने के बाद शिवसेना पर किसका हक है इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज फैसला आया है। महाराष्ट्र को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सामने आया है। चुनाव आयोग की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट से कोई रोक नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एकनाथ शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है। असली शिवसेना को लेकर चुनाव आयोग को फैसला लेने की मंजूरी मिल गई है। महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे के खेमे के लिए एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि चुनाव आयोग की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं होगी, यह तय करने के लिए कि 'असली' शिवसेना की कमान एकनाथ शिंदे या उद्धव ठाकरे में से किसके पास है। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली पीठ अयोग्यता कार्यवाही, अध्यक्ष के चुनाव, पार्टी व्हिप की मान्यता के संबंध में शिवसेना पार्टी के एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुटों से संबंधित याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग को कोई आदेश नहीं लेने का निर्देश दिया था।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा, दिल्ली कार्यालय में जेपी नड्डा की बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

2024 चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुट चुकी है। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यालय में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक बड़ी बैठक की है। जेपी नड्डा ने पहले राज्य के प्रभारियों के साथ बैठक की। उसके बाद लोकसभा प्रभास योजना की भी समीक्षा की। जेपी नड्डा की इस बैठक में संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी मौजूद रहे। जेपी नड्डा के साथ प्रभारियों की बैठक के में मंगल पांडे, तरुण चुग अरुण सिंह, विनोद तावड़े, प्रकाश जावड़ेकर, संबित पात्रा जैसे कई नेता मौजूद रहे। माना जा रहा है कि जेपी नड्डा की ओर से इस तरह की बैठक लगातार की जाएगी। जेपी नड्डा ने वहां मौजूद नेताओं से बातचीत की और चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा भी की। जेपी नड्डा का इस बात पर जोर रहा कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को किस तरह से मजबूत किया जाए।

वर्तमान में देखे तो जेपी नड्डा का पूरा ध्यान दक्षिण की ओर भी दिखाई दे रहा है। दक्षिण में भाजपा उत्तर भारत की तुलना में थोड़ी कमजोर है। यही कारण है कि दक्षिण भारत पर पार्टी ने पूरा फोकस किया हुआ है। हाल में ही जेपी नड्डा ने तमिलनाडु और केरल का दौरा किया था। इसके बाद वे सीधे दिल्ली लौटे और आज उन्होंने बड़ी बैठक की। जेपी नड्डा का यह बैठक गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनाव को लेकर भी महत्वपूर्ण है। साथ ही साथ इस बैठक में राजस्थान के भीतर कांग्रेस में जो उठापटक हुई है, उस पर भी चर्चा हुई होगी। कुछ दिन पहले ही भाजपा की ओर से 2024 चुनाव को लेकर प्रभारियों की घोषणा की गई थी। मंगल पांडे को पश्चिम बंगाल, प्रकाश जावड़ेकर को केरल तो विजय रूपानी को पंजाब भेजा गया था। इसके अलावा बिहार में विनोद तावडे को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

2024 भाजपा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। 2024 को लेकर विपक्ष ने अभी से ही मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। यही कारण है कि भाजपा ने भी अपनी सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने भी हाल में ही बिहार का दौरा किया था। अमित शाह ने वहां पार्टी के नेताओं को 2024 के चुनाव में 32 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य दिया है। वहीं, अमित शाह अब चार अक्टूबर को जम्मू कश्मीर के दौरे पर भी जा रहे हैं। अमित शाह का यह दौरा भी काफी अहम माना जा रहा है। गुजरात और हिमाचल प्रदेश चुनाव के बाद भाजपा के लिए मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी एक बड़ी चुनौती है। 2023 के आखिर में इन राज्यों में चुनाव होंगे। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वहीं, कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता में है।

जम्मू कश्मीर में बढ़ा पर्यटन, अगस्त के अंत तक 127 लाख श्रद्धालुओं ने किए माता वैष्णव देवी के दर्शन

जम्मू । जम्मू कश्मीर में धार्मिक पर्यटन में हाल के दिनों में वृद्धि दर्ज की गई है। इस बार माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंचने वाले भक्तों का रिकॉर्ड टूट सकता है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त के अंत तक करीब 127 लाख श्रद्धालु माता के दर्शन करने कटरा पहुंचे थे। दरअसल कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद से केंद्र सरकार और उप-राज्यपाल ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जो कदम उठाए हैं, अब उनके अब नतीजे सामने आने लगे हैं। हाल के दिनों में पर्यटन स्थल गुलजार हुए हैं, साथ ही धार्मिक पर्यटन को भी पंख लगे हैं।

रिकॉर्ड सैलानी और श्रद्धालु जम्मू कश्मीर पहुंचने से राज्य की अर्थव्यवस्था को ताकत मिली है। हालांकि कोरोना महामारी के दौरान करीब दो सालों तक पर्यटन ठप रहा और इससे जुड़े लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। पर्यटन स्थलों पर रौनक नहीं थी और धार्मिक स्थलों पर भी गिनती के श्रद्धालु पहुंचते थे। कोरोना के बाद पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। अब जिस तरह से जम्मू कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है और सुविधाएं मिल रही हैं। उसका सामाजिक जीवन पर असर दिखने लगा है। सेना और कश्मीर पुलिस के आपसी प्रयासों से सुरक्षा बहुत बढ़ी है। उपराज्यपाल प्रशासन ने पर्यटन को महत्व दिया है क्योंकि जम्मू-कश्मीर में मुख्य राजस्व पर्यटन पर ही निर्भर है। वहीं पर्यटकों के लिए कई प्रकार के प्रबंध किए गए हैं। नवरात्रि में ही कटरा में एक लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे और पहले दिन सोमवार को ही करीब 45 हजार भक्तों ने माता के दर्शन किए थे। इससे पहले रविवार को 40 हजार के करीब श्रद्धालु पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार संविधान पीठ की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी तीन संविधान पीठों के समक्ष कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया। लाइवस्ट्रीम सरकार के आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। भारत के मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता में सुनवाई आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कोटा मामले की सुनवाई की जानी है। यह मामला 103वें संविधान संशोधन को चुनौती देता है। लाइव स्ट्रीमिंग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से गाइडलाइंस भी जारी की गई है।

26 अगस्त को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एन वी रमना की सेवानिवृत्ति की तारीख पर औपचारिक पीठ के समक्ष कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया गया था। गौरतलब है कि 27 सितंबर 2018 को तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा ने संवैधानिक महत्व के मामलों में महत्वपूर्ण कार्यवाही के लाइव टेलीकास्ट या वेबकास्ट पर ऐतिहासिक निर्णय दिया था। यह निर्णय इस संबंध में 2018 में एक फैसला सुनाए जाने के लगभग चार वर्ष बाद लिया गया। webcast. gov. in/scindia/ के माध्यम से कोर्ट की सुनवाई देखी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट यूट्यूब के माध्यम से की जा रही लाइव स्ट्रीम को बाद में अपने सर्वर पर होस्ट कर सकता है। लाइव स्ट्रीम को लोग बिना किसी परेशानी के अपने मोबाइल, फोन, लैपटॉप और कंप्यूटर पर देख सकते हैं। अधिकृत व्यक्ति/ इकाई के अलावा कोई भी व्यक्ति/ ईकाई (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित लाइव स्ट्रीम की गई कार्यवाही या अभिलेखीय डेटा को रिकॉर्ड, साझा और/या प्रसारित नहीं करेगा।

भारत का 2025 तक रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में 1.75 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत ने 2025 तक रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में 1.75 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है और सैन्य उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योगों को समर्थन देने के प्रयासों के तहत घरेलू कंपनियों से सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए इस साल के रक्षा बजट में लगभग 85,000 करोड़ रुपये की राशि अलग से रखी है।

सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अलग-अलग समयसीमा के बाद 309 रक्षा वस्तुओं का आयात न करने से संबंधित तीन सूची पहले ही जारी कर चुका है। उन्होंने रक्षा उत्पादन के लिए रणनीतिक साझेदारी मॉडल पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य देश में लड़ाकू जेट, सैन्य हेलीकॉप्टर, टैंक और पनडुब्बियों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) की वार्षिक आम बैठक में उन्होंने कहा, हमें बस चलते रहना है, बिना थके चलते रहना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि देश को पिछले वित्त वर्ष में कुल 83.57 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत में निवेश करने को लेकर दिलचस्पी दिखा रही है क्योंकि देश एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। सिंह ने कहा, यह दर्शाता है कि अब बहुत तेज गति से आगे बढ़ने का समय है।

सपा का राष्ट्रीय अधिवेशन 29 सितंबर को, अखिलेश के लगातार तीसरी बार अध्यक्ष चुने जाने की सम्भावना

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 29 सितंबर को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। स्थानीय निकाय के आसन्न चुनावों और उसके बाद वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे इस अधिवेशन में अखिलेश यादव को लगातार तीसरी बार पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने की सम्भावना है। अधिवेशन में मुख्य विपक्षी दल होने के नाते सत्तारूढ़ भाजपा से निपटने के लिए सपा अपनी कारगर भूमिका के बारे में चर्चा करेगी। साथ ही वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति पर भी गहन चर्चा होगी। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने मंगलवार को पीटीआई- को बताया कि पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन 29 सितंबर को जबकि प्रान्तीय अधिवेशन एक दिन पहले 28 सितंबर को होगा। रमाबाई अंबेडकर रैली स्थल पर आयोजित होने जा रहे इन अधिवेशनों में पार्टी के करीब 25 हजार प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्य स्तरीय अधिवेशन में प्रान्तीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके अलावा निकट भविष्य में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये पुख्ता रणनीति पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय अधिवेशन में अखिलेश यादव को ही लगातार तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की प्रबल सम्भावना है।

पार्टी में तत्कालीन कैबिनेट मंत्री शिवपाल यादव से गतिरोध के कारण पार्टी के झंडे और चुनाव निशान को लेकर अदालती लड़ाई जीतने के बाद अखिलेश यादव को एक जनवरी 2017 को आपात राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाकर पहली बार पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के स्थान पर दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। उसके बाद अक्टूबर 2017 में आगरा में हुए विधिवत राष्ट्रीय अधिवेशन में उन्हें एक बार फिर सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया था। उस वक्त पार्टी के संविधान में बदलाव कर अध्यक्ष के कार्यकाल को तीन साल से बढ़ाकर पांच वर्ष कर दिया गया था। अक्टूबर 1992 में गठित सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर अब तक यादव परिवार का ही कब्जा रहा है। अखिलेश से पहले मुलायम सिंह यादव ही पार्टी के अध्यक्ष रहे। इस बीच, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष पटेल ने बताया कि सम्मेलन में सपा संस्थापक मुलायम सिंह को भी आमंत्रित किया गया है, मगर उनके खराब स्वास्थ्य को देखते हुए उनके शामिल होने पर संशय की स्थिति बनी हुई है। चौधरी ने बताया कि सपा के राष्ट्रीय और प्रांतीय अधिवेशनों में देश और प्रदेश की राजनीतिक-आर्थिक स्थिति

पर प्रस्ताव पारित करने के साथ-साथ समाजवादी पार्टी की भूमिका की दिशा भी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही जातीय जनगणना के मुद्दे पर भी खास तौर से चर्चा होगी। उन्होंने कहा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश में राजनीतिक एवं आर्थिक संकट पैदा किया है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। मुख्य विपक्षी दल होने के नाते उससे निपटने के लिए सपा अपने इन सम्मेलनों में अपनी कारगर भूमिका के बारे में चर्चा करेगी। इन सम्मेलनों में वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति पर भी गहन चर्चा होगी।

एशियाई विकास बैंक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में खाद्य संकट से निपटने 14 अरब डॉलर देगा

मनीला । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बताया कि वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में गहराते खाद्य संकट से निपटने के लिए 2025 तक संबंधित परियोजनाओं के लिए 14 अरब डॉलर देगा। एडीबी ने कहा कि क्षेत्र में गरीबी और खाने के सामान के बढ़ते दामों के कारण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा खाना खाने से वंचित 1.1 अरब लोगों की मदद के लिए एडीबी ने व्यापक कार्यक्रम की योजना तैयार की है। एडीबी के अध्यक्ष मासत्सुगु असाकावा ने कहा, यह खाद्य संकटसे निपटने समय पर उठाया गया ऐसा कदम है, जिसकी तत्काल जरूरत थी। इस संकट से एशिया में बहुत से गरीब परिवार खाने से वंचित हो रहे हैं और गरीबी में फंसते जा रहे हैं। योजना में जलवायु परिवर्तन और जैवविविधता के नुकसान से पार पाने को लेकर खेती और खाद्य आपूर्ति को मजबूत करके दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में सुधार पर भी जोर दिया गया है। एडीबी ने कहा कि कोष का उपयोग खेती, खाद्य उत्पादन और वितरण, जल संसाधन प्रबंधन तथा सामाजिक समर्थन से संबंधित मौजूदा और नई परियोजनाओं में होगा। असाकावा ने कहा कि अल्पकाल में समर्थन का लक्ष्य संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित लोग यानी महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आर्थिक परिदृश्य बदतर हुआ है। कई जिंसों के दाम बढ़े हैं और कई विकासशील देशों में मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट तथा ब्याज दर बढ़ने के कारण आर्थिक परिवेश कठिन हुआ है। एडीबी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में क्षेत्र के लिये वृद्धि के अनुमान को कम कर 4.3 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 5.2 प्रतिशत था। अगले साल इसके 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

समुद्री चक्रवात इयान ने क्यूबा के पश्चिम तट पर दस्तक दी

हवाना । समुद्री चक्रवात इयान ने मंगलवार को मूसलाधार बारिश और तेज रफ्तार से चलती हवाओं के साथ क्यूबा के पश्चिम तट पर दस्तक दी। यह तूफान तेज गति के साथ उत्तर की ओर बढ़ने और बुधवार तक इसके मैक्सिको की खाड़ी से होते हुए अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के तट पर पहुंचने के आसार हैं। स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े चार बजे सुबह इयान ने क्यूबा के तट पर दस्तक दी। इयान वर्ग-3 का समुद्री चक्रवात है। वर्ग-3 का चक्रवात उस कहते हैं, जिसमें हवाओं की गति कम से कम 205 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। एजेंसी ने बताया कि यह चक्रवात प्रचंड होता जा रहा है। अनुमान है कि जब यह चक्रवात फ्लोरिडा के तट पर पहुंचेगा तब तक यह वर्ग-4 के चक्रवात में तब्दील हो जाएगा। क्यूबा की सरकार ने इयान के पहुंचने से पहले ही मुख्य तंबाकू क्षेत्र पिनार डेल रियो प्रांत से 50 हजार से अधिक लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। सरकार ने इस द्वीपीय देश में दर्जनों आश्रय स्थल तैयार किए हैं। क्यूबा के पश्चिम तट पर इयान के कारण 14 फुट ऊंची लहरें दिखीं। एजेंसी के वरिष्ठ विशेषज्ञ ने कहा कि क्यूबा को पहले से आशंका थी कि प्रचंड चक्रवात और खतरनाक लहरों के साथ भारी बारिश होगी। क्यूबा से आगे बढ़ने पर इयान के मैक्सिको की खाड़ी में पहुंचने पर और ताकतवर होने की उम्मीद है, जिसके कारण बुधवार को इसके फ्लोरिडा तट पर पहुंचने पर हवाओं की रफ्तार बढ़कर 225 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। वहीं नासा ने इयान की वजह से केनेडी स्पेस सेंटर से अपने 'मून रॉकेट' के प्रक्षेपण की दिशा में धीमी गति से आगे बढ़ने की योजना बनाकर कहा है कि परीक्षण उड़ान में हफ्तों की देरी होगी।

इटली के चुनाव में मेलोनी की पार्टी 'ब्रदर्स आफ इटली' को सबसे अधिक वोट

रोम। इटली के राष्ट्रीय चुनाव में 'ब्रदर्स आफ इटली' पार्टी को सबसे अधिक वोट मिले हैं जिससे द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद देश की पहली धुर दक्षिणपंथी नीत सरकार के गठन और पार्टी की नेता जियोर्जिया मेलोनी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त होता नजर आ रहा है। यह जानकारी अब तक के चुनाव परिणामों से सामने आयी है। पूरे यूरोप के दक्षिणपंथी नेताओं ने मेलोनी की जीत और उनकी पार्टी के उभारकी ब्रसेल्स को एक ऐतिहासिक संदेश देने के तौर पर सराहना की। अब तक के चुनाव परिणामों से पता चलता है कि दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाले गठबंधन ने संसदीय वोट का लगभग 44 प्रतिशत हासिल किया, वहीं मेलोनी के 'ब्रदर्स ऑफ इटली' को करीब 26 प्रतिशत वोट मिले हैं। शेष वोट मेलोनी के गठबंधन सहयोगियों ने साझा किये हैं जिसमें मेतियो साल्विनी की प्रवासी विरोधी लीग को लगभग 9 प्रतिशत वोट और पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी के फोर्जा इतालिया को करीब आठ प्रतिशत वोट मिले हैं। वाम की ओर झुकाव रखने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके सहयोगियों को लगभग 26 प्रतिशत वोट जबकि 5-स्टार मूवमेंट को लगभग 15 प्रतिशत वोट मिले हैं।5-स्टार मूवमेंट को 2018 के संसदीय चुनावों में वोटों का सबसे बड़ा हिस्सा मिला था। मतदान करीब 64 प्रतिशत दर्ज किया गया जो कि ऐतिहासिक रूप से सबसे कमहै। पोलस्टर्स ने संकेत दिया कि मतदाता विरोध स्वरूप और इसलिए भी मतदान के लिए अपने घरों से नहीं निकले क्योंकि पिछले चुनाव के बाद से तीन सरकारों के गठन के लिए पर्दे के पीछे बनी सहमति के चलते उनका मोहभंग हो गया था। मेलोनी ने कहा, ''अगर हमें इस देश पर शासन के लिए आमंत्रित किया जाता है, तो हम इटली के सभी नागरिकों को ध्यान में रखकर सरकार चलाएंगे। हम यह (इस देश के) सभी नागरिकों को एकजुट करने के उद्देश्य से करेंगे। हमें इटली ने चुना है। हम (देश को) कभी धोखा नहीं देंगे, जैसा कि हमने पहले कभी नहीं किया है।'' सरकार के गठन में अभी भी कई सप्ताह लगेंगे और इसके लिए पार्टी के नेताओं और राष्ट्रपति सर्जियो मटरेला के साथ परामर्श शामिल होगा। इस बीच, निवर्तमान प्रधानमंत्री मारियो द्राघी एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री की भूमिका में बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया: डेटा उल्लंघन के बाद, सख्त साइबर सुरक्षा कानूनों पर विचार

ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को 98 लाख ग्राहकों के व्यक्तिगत डेटा के उल्लंघन के लिए देश की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी ''ऑप्टसफ्र को दोषी ठहराते हुए कहा कि सरकार दूरसंचार कंपनियों के लिए कड़े साइबर सुरक्षा नियमों पर विचार कर रही है। इस साइबर हमले में ऑस्ट्रेलिया के 98 लाख लोगों की व्यक्तिगत जानकारी चुरा ली गई थी। साइबर सुरक्षा मंत्री क्लेयर ओ नील ने ऑस्ट्रेलिया के 'ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प' को बताया कि यह 'ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में उपभोक्ता जानकारी की अभूतपूर्व चोरी' थी। ओ नील ने कहा कि 28 लाख वर्तमान और पूर्व ऑप्टस ग्राहकों के डेटा उल्लंघन में 'महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारी' शामिल है, जिसमें ड्राइवर के लाइसेंस और पासपोर्ट नंबर आदि हैं। उन्होंने कहा कि उन 28 लाख लोगों को पहचान और धोखाधड़ी के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। ओ नील ने संसद में कहा, 'इस कार्रवाई की प्रकृति ऐसी है जोहमें इस देश में एक बड़े दूरसंचार प्रदाता में देखने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।' ओ नील ने कहा कि कुछ देशों में, इस तरह के उल्लंघन के परिणामस्वरूप 'सैकड़ों डॉलर की राशि' का जुर्माना लगाया जाता है। ऑस्ट्रेलियाई कानून वर्तमान में ऑप्टस को उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाने की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने आगे कहा, 'एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या इस देश में बड़े दूरसंचार प्रदाताओं पर हम जो साइबर सुरक्षा आवश्यकताएं रखते हैं, वे क्या अपने उद्देश्य के लिए उपयुक्त हैं।' ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने एक बयान में कहा कि इन खबरों की जांच की जा रही है कि चोरी किए गए डेटा को पहले ही बेच दिया गया था।

तुर्की में दो संदिग्ध कुर्दिश आतंकवादियों ने पुलिस पर गोलीबारी कर खुद को बम से उड़ाया

अंकारा । तुर्की के दक्षिणी हिस्से में दो संदिग्ध कुर्दिश आतंकवादियों ने पुलिस पर गोलीबारी कर बाद में विस्फोटकों से खुद को भी उड़ा लिया। तुर्की के गृहमंत्री ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई जबकि एक अन्य अधिकारी और आम नागरिक घायल हुआ है। तुर्की के गृहमंत्री सुलेमान सोयलु ने बताया कि हमला भूमध्य सागरीय तट पर अवस्थित प्रांत माइर्सिन के मेजस्टली जिले में देर रात हुआ। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) से जुड़ी दो महिलाओं ने इस हमले को अंजाम दिया।

सोयलु ने बताया कि हमलावरों ने होटल की सुरक्षा कर रहे पुलिस कर्मियों पर हमला किया, जिसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे अन्य सुरक्षाकर्मियों के साथ संदिग्धों की झड़प हुई। मंत्री ने बताया,' झड़प के दौरान दोनों महिला आतंकवादी घायल हो गई थीं। झड़प जारी रहने के दौरान अलग-अलग दो धमाकों की आवाज सुनी गई। उन्होंने बताया, दोनों महिलाएं घायल हुई थीं और जान चुकी थी कि बचकर निकल नहीं सकती, इसकारण खुद को विस्फोट कर उड़ा लिया।''

सोयलु ने बताया कि घटनास्थल के नजदीक बालकनी में खड़ी एक महिला को भी गोली लगी। उन्होंने बताया कि घटना में घायल महिला और दूसरे पुलिस अधिकारी की हालत गंभीर नहीं है। आतंकवादी समूह ने अबतक इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। पीकेके को तुर्की, यूरोप और अमेरिका में आतंकवादी सगंठन माना जाता है।

उत्तरी चीन के शांझी प्रांत में तीन उपग्रहों को लेकर जाते हुए एक रॉकेट।

बाढ़ से फसल हुई तबाह, पाकिस्तान में गहरा सकता हैं खाद्यान्न संकट

इस्लामाबाद। हर साल की तरह एक किसान ने दक्षिणी पाकिस्तान में स्थित अपनी थोड़ी सी जमीन पर कपास की बुआई की थी। अगर फसल तैयार होती और उसकी कटाई होती, तब इससे होने वाली कमाई उनके पांच लोगों के परिवार के लिए पर्याप्त होती, लेकिन बाढ़ ने सब खत्म कर दिया। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश के बाद जून में आई बाढ़ ने किसान का घर ढहा दिया और उनकी चार एकड़ जमीन पर फैली कपास की फसल को भी नष्ट कर दिया। जिसके बाद परिवार की कमाई का जरिया ही खत्म हो गया। इससे ज्यादा चिंताजनक यह बात है, कि उनके और उनके पड़ोसियों के खेत बारिश रूकने के करीब तीन महीने बाद, अब भी पानी में डूबे हुए हैं। दक्षिणी पाकिस्तान में कई किसान शायद वक्त पर गेहूं की अगली फसल की बुआई नहीं कर पाएंगे। ये हालात देश में खाद्यान्न संकट गहराने का संकेत देते हैं। किसान ने कहा कि इस बारिश ने हमारा सबकुछ तबाह कर दिया। हमारे पास खाने तक को कुछ नहीं हैं। वह सिंध प्रांत के खैरपुर में अपने टूटे हुए घर के पास अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक तंबू में रह रहे हैं। खैरपुर, मुल्क में सैलाब से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक हैं। किसान और अधिकारियों ने चेताया कि पाकिस्तान में उस वक्त खाद्यान्न की गंभीर कमी हो सकती है जब सरकार पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रही है और दुनिया भर में महंगाई हैं।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को पीएम मोदी ने दी अंतिम विदाई, समकक्ष फुमियो किशिदा से भी की मुलाकात

बीजिंग (एजेंसी)।

तोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को आज जापान अंतिम विदाई दे रहा हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए टोक्यो पहुंचे। समारोह से पहले उन्होंने अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उसके बाद अंतिम विदाई के कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिंजो आबे की काफी गहरी दोस्ती थी। दोनों देशों के रिश्तों को अलग स्तर पर ले जाने के पीछे शिंजो आबे का हाथ थ। भारत और जापान के डिप्लोपेटिक रिश्ते भी काफी अच्छे हैं।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो को पीएम मोदी मे दी अंतिम विदाई

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो को श्रद्धांजलि देने के लिए पीएम मोदी कई वैश्विक नेताओं के साथ शामिल हुए। अबे के अंतिम संस्कार में 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों और सरकारों सहित 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।गौरतलब है कि आबे (67) की आठ जुलाई को उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह दक्षिणी जापानी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

फुमियो किशिदा से मिले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोक्यो में अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा से मंगलवार को मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और जापान की विशेष रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के दौरान, पीएम मोदी ने भारत-जापान साझेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दृष्टिकोण की अवधारणा में पूर्व पीएम आबे के योगदान का उल्लेख किया।पीएम मोदी ने कहा, ÷उन्होंने भारत-जापान संबंधों को एक बड़े स्तर पर ले गए और कई क्षेत्रों में इसका विस्तार भी किया।

भारत जापान के रिश्तों पर चर्चा

किशिदा वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मार्च में भारत आए थे, जबकि मोदी 'क्वाड लीडर्स समिट' के लिए मई में जापान गए थे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, प्रधानमंत्री मोदी और (जापान के) प्रधानमंत्री किशिदा के बीच द्विपक्षीय बैठक भारत-जापान की विशेष रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की दोनों नेताओं की प्रतिबद्धता दिखाती है।

पीए मोदी ने जापान पहुंचने से पहले उन्होंने कहा था, ये बैठकें भारत-जापान संबंधों को गहरा करने की दिशा में दोनों नेताओं की प्रतिबद्धता रेखांकित करती है, खासकर वैश्विक महामारी के बाद की क्षेत्रीय व वैश्विक व्यवस्था को आकार देने के संदर्भ में...। क्वात्रा ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और जापान के बीच गहरा तालमेल है।

एफ-16 पर अमेरिका की सफाई, बाइडन प्रशासन ने कहा- भारत और पाकिस्तान दोनों अलग-अलग तरह से हमारे साझेदार हैं

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

बाइडन प्रशासन ने सोमवार को कहा कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों से अपने संबंधों के एक नजरिये से नहीं देखते, दोनों अलग-अलग तरह से अमेरिका के साझेदार हैं। बाइडन प्रशासन ने यह बात अमेरिका आए विदेश मंत्री एस. जयशंकर के उस बयान के एक दिन बाद कही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को नवीनतम अमेरिकी एफ-16 सुरक्षा सहायता देने के अमेरिका के फैसले को लेकर सवाल उठाए थे। जयशंकर ने अमेरिका के इस तर्क पर सवाल उठाया था कि एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव से संबंधित पाकिस्तान को दिया जाने वाला पैकेज आतंकवाद से लड़ने के लिए है।

जयशंकर ने कहा था कि हर कोई जानता है कि एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कहां और किसके खिलाफ किया जाता है। भारतीय-अमेरिकियों के साथ बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, आप ये बातें कहकर किसी को मूर्ख नहीं बना रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम पाकिस्तान और भारत के साथ अपने संबंधों को एक नजरिए से नहीं देखते। दोनों अलग-अलग तरह से हमारे साझेदार हैं। उन्होंने कहा, हम दोनों को साझेदार के रूप में देखते हैं, क्योंकि कई मामलों में हमारे साझा मूल्य हैं। हमारे कई मामलों में साझा हित हैं। और भारत के साथ हमारे संबंध अलग हैं। पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते अपनी जगह हैं। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के प्रशासन ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने पर रोक लगाने से संबंधित पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के फैसले को बदलते हुए पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के वास्ते 45 करोड़ डॉलर की मदद देने की मंजूरी दी थी। ट्रंप प्रशासन ने यह रोक कथित तौर पर अफगान तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने के लिए लगाई थी। प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहते हैं कि इन दोनों पड़ोसियों के संबंध यथासंभव रचनात्मक हों।

रूस के स्कूल में गोलीबारी, 15 लोगों की मौत व 24 घायल

कीव। (एजेंसी)।

मध्य रूस स्थित एक स्कूल में सोमवार को एक बंदूकधारी ने खुद को गोली से उड़ाने से पहले गोलीबारी करके 15 लोगों की जान ले ली वहीं इस घटना में 24 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस की जांच समिति ने ऑनलाइन जारी एक बयान में बताया कि गोलीबारी उदमुर्तिया की राजधानी इझेवस्क के एक स्कूल में हुई। इझेवस्क शहर मॉस्को से करीब 960 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। समिति ने बताया कि मृतकों में 11 बच्चे शामिल हैं वही घायलों में 22 बच्चे हैं। रूस की जांच समिति ने हमला करने वाले बंदूकधारी की पहचान 34 वर्षीय अरट्योम कजांतसेव के रूप में की है, जिसने इसी स्कूल से स्नातक किया है। यह भी बताया गया कि हमलावर ने काले रंग का टी-शर्ट पहन रखी थी जिसपर 'नाजी चिह्न' थे। फिलहाल हमले के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने इस गोलीबारी को आतंकवादी घटना करार दिया और कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबंधित विभागों को सभी जरूरी आदेश दिये हैं। उदमुर्तिया के गवर्नर अलेक्जांद्र ब्रेचालोव ने बताया कि बंदूकधारी ने स्वयं को भी गोली मार ली। गर्वनर ने बताया कि जिस स्कूल में हमला हुआ है, उसमें पहली से 11वीं कक्षा तक के छात्रों को पढ़ाया जाता है। उन्होंने बताया कि स्कूल को खाली करा लिया गया है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। इझेवस्क में करीब 6,40,000 लोग रहते हैं। यह मध्य रूस के यूराल पर्वतीय क्षेत्र के पश्चिम में स्थित है। गोलीबारी की यह घटना इझेवस्क शहर में स्कूल संख्या 88 में हुई। यह शहर मॉस्को से 960 किलोमीटर दूर पूर्वी क्षेत्र के उदमूर्तिया क्षेत्र में स्थित है।

अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर जयशंकर की टिप्पणी पर पाक को लगी मिर्ची, राजनयिक आचरण के आत्मनिरीक्षण पर देने लगा ज्ञान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ इस्लामाबाद के संबंधों के बारे में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की 'अवांछित टिप्पणी' को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि क्षेत्र में शांति के लिए दोनों देशों के बीच संबंध महत्वपूर्ण हैं। वाशिंगटन में भारतीय-अमेरिकियों के साथ बातचीत के दौरान, जयशंकर ने रविवार को कहा था कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका के आपसी संबंधों से दोनों देशों में से किसी का 'भला नहीं' हुआ है। उन्होंने एफ- 16 लड़ाकू विमान के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के संपोषण पैकेज पर बाइडन प्रशासन की मंजूरी पर सवाल भी उठाए थे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने जयशंकर की 'अवांछित टिप्पणियों' को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब एक बयान जारी करके दिया।

बयान में कहा गया है, ''भारत से अंतर-सरकारी संबंधों के बुनियादी मानदंडों का सम्मान करने और अमेरिका तथा पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर टिप्पणी करने से परहेज करने का आग्रह किया जाता है। भारत को भी अपने राजनयिक आचरण के गंभीर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है।'' इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान का अमेरिका के साथ पुराना और व्यापक संबंध रहा है, जो इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रहा है। विदेश कार्यालय ने यह भी कहा है कि हाल के महीनों में पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध मजबूत और बहुआयामी हुए हैं और दोनों देशों के नागरिकों के बीच सम्पर्क और द्विपक्षीय संबंध इसे और मजबूती प्रदान कर रहे हैं। विदेश कार्यालय ने कहा, ''दोनों देश रचनात्मक रूप से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में जुटे हैं।

पाकिस्तान में ऑडियो लीक को लेकर बवाल, कैसे ऑनलाइन बिक रही पीएमओ की गुप्त बातें?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कल्पना करिए की जहां पर मुल्क का रहनुमा रहता हो वहां पर खुफिया मशीने लगी हैं। जो कुछ बातें होती हैं उसे कोई और भी सुन रहा हो और फिर उसे लीक करने लगे। कभी ऐसा हुआ तो जाहिर है कि मुल्क में राजनीतिक उठा पटक शुरू हो जाएगी। इन दिनों पाकिस्तान में कुछ ऐसा ही हो रहा है। वहां प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके पार्टी के नेताओं के कथित ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएम हाउस की करीब 100 घंटों की रिकॉर्डिंग डॉर्क वेब पर बिक रही है। कथित तौर पर पाकिस्तान सरकार के नेताओं के तीन ऑडियो क्लिप ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिनमें से एक क्लिप में कथित तौर पर उच्च सुरक्षा वाले पीएम हाउस में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के कई वरिष्ठ नेताओं के बीच की बातचीत के है।

इसमें गृह मंत्री राणा सनाउल्ला, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, कानून मंत्री आजम तरार और आर्थिक मामलों के मंत्री अयाज सादिक को वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल की किस्मत और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों के नेशनल असेंबली से इस्तीफे के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। वहीं, एक अन्य ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच वित्त मंत्री इस्माइल के बारे में बातचीत होती सुनाई देती है। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ की बेटी मरयम का सरकार में काफी प्रभाव है और वह इस्माइल की आलोचक हैं। मरयम को इसमें यह कहते सुना जा सकता है, वह (इस्माइल) जिम्मेदारी नहीं लेता है... टीवी पर अजीब चीजें कहता है, जिसके लिए लोग उसका मजाक उड़ाते हैं...।'' बीच में, प्रधानमंत्री शहबाज की आवाज सुनाई देती है। मरयम यह कहती सुनाई देती हैं, अंकल, उसे नहीं पता कि वह क्या कर रहा है।'' इसके साथ ही वह पीएमएल-एन के दिग्गज इशाक डार की वापसी की कामना करती हैं, जिन्हें वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभालने के लिए अगले सप्ताह वापस आने के लिए कहा गया है। दो क्लिप में पीएम शहबाज और अज्ञात अधिकारी मरियम की इच्छा के बारे में बात कर रहे थे कि उनके दामाद को भारत से कुछ मशीनरी आयात करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इमरान खान की पीटीआई के पूर्व

सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ दल पारिवारिक मामलों की सुरक्षा में अधिक रुचि रखता है। पीएम ऑफिस से बातचीत के लीक होने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश की साइबर सुरक्षा की स्थिति को दिखाते हुए डेटा को डार्क वेब पर बिक्री के लिए पेश किया गया था।

ऑडियो क्लिप को एक हैकर द्वारा ऑनलाइन बिक्री के लिए रखा गया जो 'इंडिशल' आईडी का उपयोग करता है। आईडी भारतीय हैकर्स के एक समूह का नाम है जो 2007 से पाकिस्तानी वेबसाइटों को निशाना बना रहे हैं। पहली और तीसरी ऑडियो क्लिप लगभग दो मिनट लंबी हैं, जबकि दूसरी 12 मिनट और 40 सेकंड लंबी है और सोशल मीडिया पर आसानी से साझा करने के लिए छह भागों में विभाजित है।

संपादकीय

सद्भाव को संबल

यह खबर ऐसे मौके पर आई जब पूरे देश में एनआईए ने कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन पॉपुलर फंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई से जुड़े स्थानों पर एक साथ छापे डाले और काफी लोगों को गिरफ्तार किया। दरअसल भागवत की यह बातचीत इलियासी से दिल्ली में इंडिया गेट के निकट स्थित मस्जिद में आधे घंटे से अधिक समय तक चली।

बीते गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक मस्जिद व मदरसे में जाने तथा इमामों के सबसे बड़े संगठन ऑल मुस्लिम इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमेर अहमद इलियासी से बातचीत की खबर सुर्खियों में रही। इसे देश के दोनों बड़े समुदायों के बीच संवादहीनता को दूर करने की दिशा में सकारात्मक कदम के रूप में देखा गया। इस दौरान जब भागवत का परिचय मदरसे के विद्यार्थियों से राष्ट्रपिता व राष्ट्रीय ऋषि के रूप में कराया गया तो भागवत ने कहा 'हम सब लोग राष्ट्र की संतानें हैं'। यह खबर ऐसे मौके पर आई जब पूरे देश में एनआईए ने कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन पॉपुलर फंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई से जुड़े स्थानों पर एक साथ छापे डाले और काफी लोगों को गिरफ्तार किया। दरअसल भागवत की यह बातचीत इलियासी से दिल्ली में इंडिया गेट के निकट स्थित मस्जिद में आधे घंटे से अधिक समय तक चली। हालांकि, संघ की ओर से ऐसी बातचीत की कोशिश पहले भी हुई। लेकिन शायद यह पहली बार है कि संघ प्रमुख किसी मस्जिद व मदरसे में गये हों। समरसता को लेकर भागवत के कई बयान पिछले दिनों चर्चा में रहे हैं। इसमें वह बयान भी शामिल है, जिसमें उन्होंने हिंदू-मुसलमानों का डीएनए एक बताया और कहा कि मुसलमानों के बिना हिंदुस्तान अधूरा है। इससे पहले वे कह चुके हैं कि हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों ढूंढा जाये? कहा जा रहा है कि संघ का यह कदम अपनी मुस्लिम विरोधी छवि को तोड़ने का उपक्रम है जिससे मुसलमानों के एक प्रगतिशील तबके को साथ जोड़ा जा सके। इससे पहले भी संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पांच बड़े मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी और दोनों समुदायों के बीच व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। इस मुलाकात में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, दिल्ली के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर नजीब जंग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जमीरुद्दीन शाह, पत्रकार शाहिद सिद्दीकी व कारोबारी सईद शेरवानी शामिल थे। निस्संदेह देश में असहिष्णुता व अविश्वास को दूर करने के लिये संवाद ही कारगर रास्ता हो सकता है। ऐसे ही प्रयास संघ के द्वारा विगत में भी किये गये हैं। इनमें कुछ मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि व बुद्धिजीवी शामिल रहे हैं। दिल्ली में मुस्लिम बुद्धिजीवियों से हुई बैठक में उन मुद्दों पर भी चर्चा हुई जो दोनों समुदायों के बीच खटास पैदा करते हैं। मसलन बहुसंख्यकों को काफिर कहने व गोहत्या से जुड़े मुद्दे पर भी विमर्श हुआ था। वहीं अल्पसंख्यकों की परंपरागत छवि को उभारने व उनकी निष्ठाओं पर संदेह को लेकर मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने संघ प्रमुख से बातचीत की। दरअसल, मुस्लिम बुद्धिजीवियों का वर्ग चाहता है कि संघ के हस्तक्षेप से अल्पसंख्यकों में असुरक्षाबोध को खत्म किया जाये। साथ ही अनावश्यक रूप से धार्मिक विवादों को हवा देने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की भी बात कही गई। मुस्लिम बुद्धिजीवी बातचीत के क्रम को निरंतर बनाये रखने के पक्ष में नजर आये। दरअसल, मुस्लिम बुद्धिजीवियों का यह वर्ग मानता है कि समाज में एक ऐसा थिंक टैंक बनाया जाये जो उनके मुद्दों को तार्किक रूप से सामने रख सके। इसी क्रम में संघ प्रमुख ने संगठन के कुछ लोगों को जिम्मेदारी दी है कि वे मुस्लिम समुदाय के प्रभावी व्यक्तियों से निरंतर संवाद व संपर्क बनाये रखें। साथ ही संघ प्रमुख ने इस बात पर भी बल दिया कि मदरसों की शिक्षा पद्धति का आधुनिकीकरण हो ताकि वहां से निकले बच्चे समय के साथ कदमताल कर सकें। तभी देश मजबूत हो सकेगा। निस्संदेह यह वक्त की दरकार है कि देश में दोनों संप्रदायों के बीच सद्भाव व सौहार्द को बढ़ावा मिले। इसके लिये जरूरी है कि दोनों संप्रदाय एक-दूसरे के विश्वासों व आस्था का सम्मान करें।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

पिता (बेटे से), 'तुम्हारे सहपाठी कह रहे थे कि तुमने स्कूल में आज भी बहुत शैतानी की।'

बेटा, 'सब झूठ बोलते हैं, आज तो मैं शुरू से आखिर तक चुपचाप बैंच पर खड़ा रहा।

□ □ □

रोगी, 'डाक्टर साहिब मुझे हर चीज की दो चीजें दिखाई देती हैं। कोई इलाज बताइए।'

डाक्टर, 'अच्छा ठीक हैं। तुम सब बारी-बारी से आओ। चारों एक साथ क्यों आ गए।'

□ □ □

रोगी (डाक्टर से), 'जनाब मुझे दवाई में पचास प्रतिशत कन्सैशन मिलनी चाहिए।'

डाक्टर, 'वह क्यों?'

रोगी, 'इसलिए कि सारे इलाके में बीमारी मेरी वजह से फैली हैं।'

□ □ □

पिता (मोहन से), 'मैंने तुम्हें चीनी लाने के लिए कहा था और तुम टॉँफियां उठाए चले आ रहे हो।'

मोहन, 'पिता जी दुकानदार ने कहा था कि यह दस का नोट बहुत पुराना और फटा हुआ हैं, यह नहीं चलेगा।'

पिता, 'तो फिर उसने टॉँफियां कैंसे दे दी?'

मोहन, 'वे तो मैंने दूसरी दुकान से ली थीं।'

ममता की बदलती रणनीति के निहितार्थ

लेखक-अशोक उपाध्याय

ममता ने इस मुलाकात के बाद कहा कि राज्यपाल ने चाय पर आमंत्रित किया था इसलिये यहां आई थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रपति चुनाव के बारे में बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, कोई राजनीतिक बात नहीं हुई। असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति पर उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग राज्य हैं, इनके बीच संबंध होने चाहिए। उनकी अलग पार्टी है और हमारी अलग पार्टी है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी एक बार फिर चर्चा के घेरे में हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ममता बनर्जी ने एक-दूसरे पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तृणमूल कांग्रेस के अनेक सांसद एवं विधायक चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये और भाजपा के टिकट पर उन्होंने चुनाव लड़ा। तृणमूल कांग्रेस को मिले झटके से बस यही लगने लगा था कि ममता बनर्जी और नरेन्द्र मोदी की दूरियां कभी नहीं मिटेंगी। ममता को मोदी को राजनीतिक चुनौती देने के लिए एक सक्षम विपक्षी नेता माना जाता है और वह अक्सर प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार के रूप में निरूपित होती रही हैं। पश्चिम बंगाल के लाल गढ़ को ध्वस्त करने वाली ममता बनर्जी को राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को एकजुट करने में अहमियत मिलती रही है लेकिन पिछले ढाई महीनों में उनके रुख में बदलाव दिखा जो राजनीतिक विश्लेषकों को हैरत में डालने वाला है। इसकी शुरुआत 13 जुलाई, 2022 को दार्जिलिंग से हुई जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव से ऐन पहले ममता की मुलाकात राज्यपाल जगदीप धनखड़ और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से हुई। लगभग तीन घंटे चली इस लंबी बैठक के तुरंत बाद किसी ने कुछ साफ कहने से मना कर दिया। जगदीप धनखड़ का एक ट्वीट आया, 'पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा के साथ राजभवन, दार्जिलिंग में।' ममता ने इस मुलाकात के बाद कहा कि राज्यपाल ने चाय पर आमंत्रित किया था इसलिये यहां आई थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रपति चुनाव के बारे में बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, कोई राजनीतिक बात नहीं हुई। असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति पर उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग राज्य हैं, इनके बीच संबंध होने चाहिए। उनकी अलग पार्टी है और हमारी अलग पार्टी है। संसद भवन की नई इमारत की चोटी पर लगाये गये अशोक स्तंभ विवाद के बारे पूछे जाने पर ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने इस बारे में स्टडी (अध्ययन) नहीं किया है, जब वह स्टडी कर लेंगी तो ही इस मामले पर कुछ बोल पायेंगी। जगदीप धनखड़ दार्जिलिंग से ही दिल्ली आ गये और अगले दिन भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिये उम्मीदवार घोषित कर दिया। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू उन दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर थीं लेकिन ममता बनर्जी उनसे नहीं मिलीं और उसकी वजह गिनाई गई कि तृणमूल नेता ने यशवंत सिन्हा का नाम राष्ट्रपति चुनाव के लिए घोषित किया है जो विपक्ष के उम्मीदवार हैं। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये मतदान हुआ और तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों और एक विधायक ने क्रॉस वोटिंग की तथा दो सांसदों एवं चार विधायकों के मतपत्र अयोग्य पाये गये। द्रौपदी मुर्मू चुनाव जीत गईं। ममता ने मतदान से पहले दलील दी थी कि अगर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने विपक्ष को पहले विश्वास में लिया होता तो द्रौपदी मुर्मू सर्वसम्मति से राष्ट्रपति चुन ली गई होतीं। उनके इस बयान को भी क्रॉस वोटिंग की वजह माना गया। उपराष्ट्रपति के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने विपक्ष की उम्मीदवार के नाम की घोषणा से पहले उसे विश्वास में नहीं लेने का आरोप लगाया और मतदान में हिस्सा ही नहीं लिया। तृणमूल के इस रुख ने सबको हैरान किया कि ममता बनर्जी जगदीप धनखड़ को राज्यपाल बनाये जाने का घनघोर विरोध करती रहीं और उन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने राजभवन को भाजपा का कार्यालय बना दिया है। जगदीप धनखड़ को तृणमूल कांग्रेस के मतदान में हिस्सा नहीं लेने का बड़ा फायदा हुआ और वह बड़ी आसानी से चुनाव जीत गये। इस बीच लंबे अर्से से मोदी सरकार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कथित दुरुपयोग को लेकर विपक्ष के निशाने पर है। यह विवाद तूल पकड़ता जा रहा है और अपने नेताओं के फंसने के बाद विपक्षी दल अब खुलकर तंज कसने लगे हैं। खुद ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनके रिश्तेदार कोयला खदान घोटाले में ईडी के दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कथित नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर ईडी के निशाने पर हैं और दोनों जमानत पर हैं। दूसरी ओर प्रधानमंत्री इससे विचलित हुये बगैर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का मंतव्य बार-बार जाहिर कर रहे हैं। मोदी की अपील से भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम तेज होने और उसे जनसमर्थन मिलने को लेकर हर कोई सशंकित है। भ्रष्टाचार का मुद्दा सीधे कानून से जुड़ा है और हर कोई इसके नफा-नुकसान से वाकिफ है, जिसमें राजनेता भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 19 सितंबर को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया। लेकिन ममता बनर्जी ने चर्चा में यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें नहीं लगता कि राज्य में केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं का एक तबका अपने हित साधने के लिये केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। ममता के इस तरह पलटी मारने वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस ने कहा कि अगर आप विपक्ष में हैं तो लुका-छिपी का खेल नहीं खेला जा सकता। अगर कोई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को क्लीन चिट देता है तो वह व्यक्ति उन आरोपों से उन्हें मुक्त कर रहा है जिन पर आज देश की जनता मोदी से सवाल कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी जनता से जुड़े मुद्दों पर पीएम और सरकार से जवाब मांगते रहेंगे क्योंकि ऐसा करना विपक्ष का धर्म है। क्या ममता मोदी को छोड़कर अमित शाह को घेरना चाहती हैं? ममता ने फैसला कर लिया कि मोदी अच्छे हैं तो वह स्पष्ट कर देना चाहती हैं कि इस सरकार में मोदी की मंजूरी के बिना परिंदा भी पर नहीं मार सकता। ममता बनर्जी ने जिस तरह से पहले राष्ट्रपति चुनाव एवं फिर उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐन वक्त पर पैंतरा बदला उसको लेकर विपक्ष व्यथित था। फिर उन्होंने एक सितंबर को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पहले बुरा नहीं था और उन्हें नहीं लगता कि आरएसएस उतनी बुरी है। अब भी आरएसएस में कई अच्छे और सच्चे लोग हैं जो भाजपा से सहयोग नहीं करते। एक दिन वे भी अपनी चुप्पी तोड़ेंगे। अब ममता ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के मामले में मोदी को क्लीन चिट दी है तो इस मुद्दे पर एकजुट हो रहे विपक्ष को झटका लगा है। ममता बनर्जी अनुभवी नेता हैं और वह कोई भी बयान ऐसे ही नहीं देती हैं। तो क्या वह अपना हित साधने के लिए भाजपा और आरएसएस में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें ऐसा भी लगने लगा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई में सीधे पड़ने से बाजी पलट भी सकती है।

लेखक यूनीवार्ता के संपादक रहे हैं।

विश्व रेबीज दिवस

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

इस वर्ष की थीम 'रेबीजः वन हेल्थ, जीरो डेथ्स' में लोगों और जानवरों दोनों के साथ पर्यावरण के संबंध पर प्रकाश डाला जाएगा। 28 सितंबर को हर साल दुनिया भर में विश्व रेबीज दिवस मनाया जाता है. आज के दिन को फ्रांसिस वैज्ञानिक लुईस पाश्चर की बरसी के तौर पर भी याद किया जाता है. लुईस पाश्चर ने पहली बार रेबीज की वैक्सीन का विकास कर मेडिकल जगत को अनमोल तोहफा दिया था. रेबीज एक जूनोटिक बीमारी है जो जानवरों से इंसानों में फैलती है. रेबीज का संक्रमण आमतौर पर कुछ हफ्तों या अधिकतम 3 माह में दिखने लगता है. कुछ मामलों में तो इसके इंफेक्शन का असर साल भर के बाद भी देखा गया है. रेबीज कुछ जानवरों के काटने से होने वाला संक्रमण है. संक्रमित जानवर जब किसी इंसान को काटता है, तो उसके सलाइवा (लार) के साथ यह वायरस ब्लड के जरिए शरीर में पहुंचकर संक्रमण पैदा करता है. इसका सही समय पर और गंभीरता से इलाज बहुत जरूरी है. रेबीज एक बेहद घातक वायरस है, जो इंसानों और जानवरों को संक्रमित करता है. यह संक्रमण सेंट्रल नर्वस सिस्टम और मस्तिष्क पर हमला करता है और अगर इसके लक्षण दिखने शुरू हो जाएं, तो यह घातक हो सकता है लेकिन अगर आप समय पर सही कदम उठाएंगे तो इस बीमारी को रोका जा सकता है.

जानलेवा साबित होता है संक्रमण

रेबीज की वैक्सीन आ जाने से वैसे तो इस बीमारी के संक्रमण का खतरा नहीं रहा, लेकिन अगर संक्रमित जानवर के काटने का शिकार हुए हैं, तो इसे गंभीरता से लें क्योंकि यह स्पष्ट नहीं होता है कि जिस जानवर ने आपको काटा है, वह वायरस से संक्रमित था या नहीं. नजरअंदाज करने पर यह संक्रमण जानलेवा साबित होता है. यह ऐसा संक्रमण है, जिसके लक्षण आने में समय लगता है. कुछ मामलों में इसके लक्षण तीन से चार सप्ताह में दिखने लगते हैं, जबकि कई बार कुछ माह का भी समय लग जाता है.

किसे हो सकता है संक्रमण?

भारत में रेबीज के ज्यादातर केस कुत्ते के काटने के होते हैं, जबकि इस वायरस का संक्रमण बंदर, घोड़े, चमगादड़ के काटने से भी होता है. ऐसा नहीं है कि संक्रमित जानवर के इंसान को काटने पर ही इसका संक्रमण होता है. यदि संक्रमित जानवर किसी दूसरे जानवर को काट लेता है तो वह जानवर भी इंफेक्शन की चपेट में आ जाता है. आपको बता दें कि रेबीज की वैक्सीन बाजार में आसानी से मिल जाती है.

जानवर के चाटने से भी होता है

रेबीज को लेकर अक्सर लोगों के मन में सवाल होता है कि ये संक्रमण क्या पालतू जानवर के काटने से भी हो सकता है? ऐसा नहीं है कि सिर्फ आवारा कुत्ते के काटने से ही रेबीज होता है. इसका कारण आपका पालतू भी हो सकता है. इसलिए पेट्स लवर को चाहिए कि वे उसे समय पर रेबीज का एंटीडोज जरूर लगवाएं. ऐसा नहीं है कि पालतू को एंटीडोज नहीं लगा और उसने काट लिया तो रेबीज का संक्रमण हो जाए. कई बार पालतू के प्यार से चाटने पर भी सलाइवा से भी इंफेक्शन हो सकता है.

मरीज में क्या बदलाव आते है?

रेबीज संक्रमण होने पर इसके प्रारंभिक लक्षणों के आधार पर ब्लड का टेस्ट करा कर ही डॉक्टर जान पाते हैं कि रोगी को रेबीज का संक्रमण हुआ है या नहीं. रेबीज से संक्रमित व्यक्ति का स्वस्थ होना मुश्किल होता है और वह मानसिक रूप से पूरी तरह अस्वस्थ व बेखबर हो जाता है. इसके चलते उसका कार्य, व्यवहार, बातचीत का तरीका, सब कुछ बदल जाता है. इसलिए ऐसे मरीजों के साथ भावनात्मक लगाव रखें और उनकी तकलीफ को समझें.

बीमारी के लक्षण

रेबीज का संक्रमण आमतौर पर कुछ हफ्तों या अधिकतम तीन माह में दिखने लगता है. हालांकि कुछ मामलों में तो इसके संक्रमण का असर साल भर के बाद भी देखा गया है.

- बुखार आना, सिरदद.
- मुंह में अत्यधिक लार बनना.
- व्यावहारिक ज्ञान शून्य होना, मानसिक विक्षिप्तता.
- हिंसक गतिविधियां.
- अति उत्तेजक स्वभाव.
- अजीब तरह की आवाजें निकालना.
- हाइड्रोफोबिया (पानी से डर लगना)
- अपने में खोए रहना.
- शरीर में झनझनाहट होना.
- अंगों में शिथिलता आना.
- पैरालाइज हो जाना.

जानवर काटने पर तुरंत क्या करें?

यदि बंदर या कुत्ता काट ले तो तत्काल उस जगह को साबुन या एंटीसेप्टिक लोशन से अच्छी तरह साफ कर लें. इसके बाद डॉक्टर से संपर्क करें. बिना देर किए 48 घंटे के अंदर रेबीज की वैक्सीन जरूर लगवाएं.

आयुर्वेद चिकित्सा

अश्वगंधा चूर्ण

लगभग 2 से 5 ग्राम अश्वगंधा चूर्ण को थोड़े से शहद या घी के साथ सेवन करें। यह आपके दिमाग को शांत रखने और रेबीज के शुरुआती लक्षणों को शांत करने में मदद करेगा। आप पाउडर को रोजाना एक गिलास गर्म दूध के साथ भी ले सकते हैं।

जीरा

जीरा शरीर में कुछ जहरीले प्रभावों को खत्म करने में फायदेमंद है, इसलिए यह एक प्रभावी रेबीज उपचार साबित होता है। तो, दो चम्मच जीरा को लगभग 20 काली मिर्च के साथ पीस लें। पाउडर में थोड़ा सा पानी डालकर बारीक पेस्ट बना लें, इसे संक्रमित जगह पर लगाएं और इससे रेबीज के घाव तेजी से भरेंगे।

संतरे का रस

संतरे का जूस, आपकी दैनिक खुराक प्रतिरक्षा में सुधार करने में मदद करती है। अधिक लाभ के लिए इसमें कुछ काली मिर्च के साथ अनार का रस मिलाएं। यह आपके सिस्टम को मजबूत और रेबीज के किसी भी लक्षण से मुक्त रखेगा।

लैवेंडर

एक कटोरी में थोडा बर्फीला ठंडा पानी भरें। लैवेंडर एसेंशियल तेल की लगभग 4 से 5 बूँदें डालें और एक नरम तौलिये को मिश्रण वाले ठंडे पानी में भिगो दें। तौलिये से अतिरिक्त पानी निचोड़ें और घाव के ऊपर रखें। यह दर्द के साथ-साथ किसी भी संबंधित सूजन को कम करने में मदद करेगा।

चिंतन-मनन

सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमत्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है। इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी

वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

करादे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने् की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडि़यों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडने् की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

गूगल इंडिया की सरकारी मामलों की नीति निर्धारक अर्चना गुलाटी ने त्यागपत्र दिया

नई दिल्ली । वैश्विक शीर्ष कंपनी गूगल इंडिया की सरकारी मामलों और सार्वजनिक नीति की प्रमुख अर्चना गुलाटी ने अपने पद से त्यागपत्र देकर चौंका दिया है। वह सरकारी सेवा छोड़ने के बाद सिर्फ पांच महीने पहले गूगल के साथ जुड़ी थीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अर्थशास्त्र स्नातक और आईआईटी दिल्ली से पीएचडी गुलाटी इससे पहले नीति आयोग में संयुक्त सचिव (डिजिटल संचार) थीं। नीति आयोग एक सरकारी थिंक टैंक है, केंद्र सरकार को नीति पर सलाह देता है। मामले से परिचित सूत्रों ने बताया कि गुलाटी ने गूगल इंडिया से इस्तीफा दे दिया है। इस बारे में संपर्क करने पर गुलाटी और गूगल, दोनों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अभी तक यह पता नहीं चला है कि उन्होंने गूगल से इस्तीफा क्यों दिया। गुलाटी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब गूगल भारत में कई मामलों और सख्त तकनीकी नियमन का सामना कर रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), जहां गुलाटी ने पहले काम किया था, स्मार्ट टीवी बाजार में गूगल के व्यापार आचरण, इसके एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम और साथ ही ऐप भुगतान प्रणाली की जांच कर रहा है।

ब्लैकस्टोन ने रीट में अपनी हिस्सेदारी बेचकर 32.5 करोड़ डॉलर रुपये कमाए

मुंबई । वैश्विक कोष ब्लैकस्टोन ने एम्बैसी ऑफिस पार्क्स आरईआईटी (रीट) में अपनी हिस्सेदारी बेचकर करीब 32.5 करोड़ डॉलर (2,650 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। एम्बैसी ऑफिस पार्क्स रीट देश का पहला रियल एस्टेट निवेश न्यास (रीट) है। इस पिछले साल एम्बैसी ग्रुप और ग्लोबल इंवेस्टमेंट फर्म ब्लैकस्टोन द्वारा लगभग 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पेश किया था। रीट शेयर बाजार में भी सूचीबद्ध है। सूत्रों के अनुसार, ब्लैकस्टोन ने रीट में 7.7 करोड़ शेयर को बड़े सौदे के द्वारा 345 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचकर 32.5 करोड़ डॉलर (2,650 करोड़ रुपये) जुटाए है। सौदे के बाद ब्लैकस्टोन की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से घटकर 24 प्रतिशत रहेगी। सूत्रों के मुताबिक, अबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) और कोटक ने इस बड़े सौदे में शेयर खरीदे हैं। अन्य खरीदारों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी लाइफ और कोटक म्यूचुअल फंड शामिल हैं। वहीं, एम्बैसी ग्रुप की करीब 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पोर्टर को 5,000 से अधिक इलेक्ट्रिक कार्गो तिपहिया वाहनों की आपूर्ति करेगी ओएसएम

मुंबई । ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) अंतिम छोर तक डिलिवरी के लिए लॉजिस्टिक कंपनी पोर्टर को 5,000 से अधिक इलेक्ट्रिक कार्गो तिपहिया वाहनों की आपूर्ति करेगी। कंपनी ने बताया कि लॉजिस्टिक कंपनी के साथ साझेदारी के तहत इन तिपहिया वाहनों की आपूर्ति की 2023 तक होगी। कंपनी के अनुसार, पोर्टर के पास पहले से ही 1,000 इलेक्ट्रिक वाहन हैं और वह अगले साल तक अपने वाहनों की संख्या को पांच गुना बढ़ाने की योजना बना रही है। उल्लेखनीय है कि भारत समेत दुनियाभर के उपभोक्ता अब अधिक संख्या में ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं। इससे अंतिम छोर तक डिलिवरी के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ी है। ओमेगा सेकी ने कहा कि पोर्टर के साथ गठजोड़ का उद्देश्य इस क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करना है।

भारत का 2025 तक रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में 1.75 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने 2025 तक रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में 1.75 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है और सैन्य उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योगों को समर्थन देने के प्रयासों के तहत घरेलू कंपनियों से सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए इस साल के रक्षा बजट में लगभग 85,000 करोड़ रुपये की राशि अलग से रखी है। रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अलग-अलग समयसीमा के बाद 309 रक्षा वस्तुओं का आयात न करने से संबंधित तीन सूची पहले ही जारी कर चुका है। उन्होंने रक्षा उत्पादन के लिए रणनीतिक साझेदारी मॉडल पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य देश में लड़ाकू जेट, सैन्य हेलीकॉप्टर, टैंक और पनडुब्बियों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) की वार्षिक बैठक में उन्होंने कहा, 'हमें बस चलते रहना है, बिना थके चलते रहना है। भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि देश को पिछले वित्त वर्ष में कुल 83.57 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

प्राप्त हुआ जो एक 'रिकॉर्ड' है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत में निवेश करने को लेकर दिलचस्पी दिखा रही है क्योंकि देश एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। सिंह ने कहा, 'यह दर्शाता है कि अब बहुत तेज गति से आगे बढ़ने का समय है।'

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। रुपया नौ पैसे उछलकर 81.58 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.45 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 81.30 प्रति डॉलर के उच्चतम और 81.64 के निचले स्तर तक गया। अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे बढ़कर 81.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। लगातार चार कारोबारी सत्र में गिरने के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में अब मजबूती आई है। हालांकि, इस दौरान रुपये का मूल्य 193 पैसे प्रति डॉलर तक नीचे आ चुका है। वहीं इससे पहले सोमवार को रुपया 58 पैसे फिसलकर अबतक के सबसे निचले स्तर 81.67 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी नीचे आकर 113.81 पर पहुंच गया जबकि वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.36 फीसदी ऊपर आकर 85.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सीरम के सीईओ अदार पूनावाला ने टीकों के वैश्विक प्रमाणीकरण की सिफारिश की

सिंगापुर । देश की शीर्ष फार्मा कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने टीकों के वैश्विक प्रमाणीकरण के लिए पहल की है। पूनावाला ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे बहुपक्षीय संगठनों को किसी अन्य महामारी से पूर्व टीकों के प्रमाणीकरण पर सामंजस्य स्थापित करना चाहिये। पूनावाला ने सिंगापुर में फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ सम्मेलन में यह स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं इसका (ऐसी प्रमाणन संधि) प्रस्ताव कर रहा हूं।' उन्होंने यहां सम्मेलन से इतर कहा, 'संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूटीओ जैसे बहुपक्षीय संगठनों को टीकों के प्रमाणन में सामंजस्य स्थापित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।' पूनावाला ने कहा, 'अगर हम भविष्य में तैयार रहना चाहते हैं, तो दुनिया को इसकी जरूरत है।' उन्होंने वैश्विक नेताओं द्वारा जलवायु संबंधी संधियों पर सहमति का उदाहरण देते हुए कहा कि मुझे यकीन है कि भारत इस तरह की एक महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व करने में अपनी भूमिका निभाएगा। उन्होंने सीमा पार से टीकों की आपूर्ति के दौरान आने वाली बाधाओं का हवाला दिया। महामारी की शुरुआत में वैक्सीन प्रमाण पत्र और नैदानिक परीक्षण के कागजात स्वीकार नहीं किए जा रहे थे। पूनावाला ने एसआईआई की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया, जो मानव जाति की भलाई और व्यवसाय में विविधता लाने पर केंद्रित हैं। उन्होंने बताया कि वह भारत में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में प्रवेश करने के लिए वैश्विक साझेदारी की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अच्छी शुरुआत के बाद भी बाजार अंत में बढ़त गंवा बैठा। दिन भर हुए उतार-चढ़ाव के बीच ही बीएसई-सेंसेक्स और एनएएसई-निफ्टी में हल्की गिरावट रही। धातु, बैंक और वित्तीय शेयरों के नीचे आने से भी बाजार पर दबाव आया। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 37.70 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 57,107.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 8.90 अंक तकरीबन 0.05 फीसदी फिसलकर 17,007.40 अंक पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत अच्छी रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बाद भी बीएसई सेंसेक्स 232 अंकों के उछाल के साथ ही 57,377 पर खुला। वहीं निफ्टी ने भी 95 अंक उछलकर 17,111 पर कारोबार शुरु किया। निवेशकों ने पावर ग्रिड , एनटीपीसी, इंफोसिस, आईटीसी, नेस्टले इंडिया जैसी कंपनियों के शेयरों की लगातार खरीदारी की जिससे इन कंपनियों के स्टॉक्स लाभ में पहुंच गये पर टेक महिन्द्रा , कोटक बैंक, टाइटन और एचडीएफसी जैसी कंपनियों के शेयरों में आज बिकवाली हावी रही, इससे ये शेयर नुकसान में आये। कारोबार को अगर क्षेत्रवार ध्यान दिया जाये तो उपभोक्ता वस्तुओं, आईटी, तेल व गैस और उर्ज क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर वाहन , धातु और संपत्ति क्षेत्र के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर कारोबार करते हुए दिखे। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.6 फीसदी की गिरावट रही है। इसके अलावा निफ्टी वाहन और धातु क्षेत्र में एक फीसदी से ज्यादा का उछाल रहा है। आज सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस 1.13 फीसदी, फार्मा 0.98 फीसदी, आईटी 0.97 फीसदी, हेल्थकेयर 0.85 फीसदी, एफएमसीजी 0.64 फीसदी और मीडिया 0.35 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए जबकि मेटल -0.86 फीसदी फाइनेंशियल सर्विसेज -0.85 फीसदी, बैंक -0.67 फीसदी और ऑटो 0.51 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी पर कारोबार के दौरान सिप्ला 3.41 फीसदी, टाटा कंज्यूमर 2.48 फीसदी, श्रीराम सीमेंट 2.36 फीसदी, पावर ग्रिड 2.19 फीसदी और इंडसइंड बैंक 2.11 फीसदी सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं, हीरो मोटोकॉर्प -2.88 फीसदी, अडानी पोर्ट्स(-1.96 फीसदी,

टाइटन(-1.91 फीसदी, टाटा स्टील -1.90 फीसदी और एसबीआई लाइफ -1.41 फीसदी ने निवेशकों का सबसे ज्यादा नुकसान कराया। एशियाई बाजारों की बात करें तो हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। वहीं यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट करूड 1.78 फीसदी उछलकर 85.56 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।दूसरी ओर अमेरिका में केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें बढ़ाने और विकास दर में लगातार आ रही कमी से बिकवाली हावी हो गयी है क्योंकि मंदी की आशंका से निवेशक बाजार से दूरी बना रहे है। इसी कारण पिछले कारोबारी सत्र में भी प्रमुख शेयर बाजार डाओ जोंस में 1.11 फीसदी की गिरावट रही जबकि एसएंडपी में 500 पर 1.03फीसदी का नुकसान दिखा है। इसके अलावा नेसडेक कंपोजिट 0.6 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

अगले दशक में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा अडानी समूह

नई दिल्ली ।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप अगले दशक में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। यह निवेश मुख्य रूप से न्यू एनर्जी और डेटा सेंटर सहित डिजिटल क्षेत्र में किया जाएगा। अडानी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस निवेश का 70 प्रतिशत हिस्सा एनर्जी ट्रांजिशन स्पेस में खर्च किया जाएगा। अडानी समूह ने दावा किया कि ग्रीन हाइड्रोजन के कारण भारत एक दिन नेट एनर्जी एक्सपोर्टर बन सकता है। अभी भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करता है। अडानी ने फोर्ब्स ग्लोबल सीईओ सम्मेलन में कहा एक समूह के रूप में, हम अगले दशक में 100 अरब डॉलर से अधिक की पूंजी का निवेश करेंगे। हमने इस निवेश का 70 प्रतिशत ऊर्जा संक्रमण क्षेत्र के लिए तय किया है। इस सम्मेलन का आयोजन सिंगापुर में किया गया। उन्होंने कहा हमारे मौजूदा 20 गीगावाट नवीकरणीय पोर्टफोलियो के अलावा, नए व्यवसाय को 45 गीगावाट हाइब्रिड नवीकरणीय बिजली उत्पादन द्वारा बढ़ाया जाएगा। यह उद्यम 100,000 हेक्टेयर भूमि में फैला हुआ है, जो सिंगापुर का 1.4 गुना क्षेत्र है। इससे तीन करोड़ टन ग्रीन हाइड्रोजन का व्यावसायीकरण होगा। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार में शामिल अडाणी समूह आने वाले

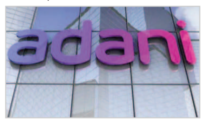

दिनों में 45 गीगावाट हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता जोड़ेगा करेगा। इसके अलावा सौर पैनल, पवन टर्बाइन और हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर बनाने के लिए तीन कारखानों को स्थापित किया जाएगा। ग्रुप तीन गीगा फैक्ट्रियों की स्थापना भी करेगा। इनमें 10 गीगावॉट की सिलिकॉन आधारित फोटोवोल्टिक मूल्य-श्रृंखला के लिए 10 गीगावॉट का एकीकृत पवन टरबाइन विनिर्माण संयंत्र और पांच गीगावॉट की हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर फैक्ट्री शामिल है।

गेहूं निर्यात पर भारत ने लगाई पाबंदी, सिंगापुर में आटे के दाम बढ़े

सिंगापुर । भारत सरकार के गेहूं के निर्यात पर मई से पाबंदी लागू होने से सिंगापुर में आटे के दामों भारी उछाल देखा जा रहा है। इसका सीधा असर यहां के होटलों में दिखाई दे रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि खासतौर से रोटी पसंद करने वाले पंजाबी समुदाय को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुपरमार्केट श्रृंखला फेयरप्राइस ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में मांग बढ़ने के कारण गेहूं के आटे की आपूर्ति कम रही है। भारत में गेहूं और आटे के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण ये स्थिति हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार फेयरप्राइस के आपूर्तिकर्ता अब श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका जैसे विभिन्न देशों से गेहूं का आटा मंगवा रहे हैं। यहां के एक प्रमुख भोजनालय, शकुंतला के प्रबंध निदेशक मथवन आदि बालकृष्णन ने कहा, (गेहूं) आटे की कमी हमारे व्यापार को बुरी तरह प्रभावित करेगी। हम अपने ग्राहकों पर लागत का पूरा बोझ नहीं डाल सकते। हमें कीमतों को कम रखने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट को भारत से गेहूं के आटे के लिए पांच सिंगापुर डॉलर (3.48 अमेरिकी डॉलर) प्रति किलो का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब दुबई से आने वाला आटा 15 सिंगापुर डॉलर (10.45 अमेरिकी डॉलर) प्रति किलो है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार सिंगापुर सालाना 2-2.5 लाख टन गेहूं और 1-1.2 लाख टन गेहूं के आटे का आयात करता है। खबरों में बताया कि 2020 में सिंगापुर ने कुल गेहूं के आटे में 5.8 प्रतिशत भारत से आयात किया गया था।

निवेशकों और बाजार विश्लेषकों की नजर आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी बैठक पर

28 से 30 सितंबर तक चलेगी आरबीआई की बैठक

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद भारतीय निवेशकों और बाजार विश्लेषकों की नजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की आगे होने वाली बैठक पर है। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग 28 से 30 सितंबर तक चलेगी और बैठक के अंतिम दिन रिजर्व बैंक रेपो रेट की दरों में बदलाव की घोषणा करेगा। ऐसी संभावना है, कि महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए आरबीआई ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रास्फीति और ग्रोथ से जुड़ी चिंताओं को लेकर रिजर्व बैंक दुनियाभर के सेंट्रल बैंक की नीतियों का अनुसरण कर सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने महंगाई से निपटने के लिए लगातार चौथी बार इंटरेस्ट रेट में बढ़ोत्तरी की हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई, जिसने मई के बाद से शॉर्ट टर्म लैंडिंग रेट (रेपो) में 140 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की है,

इसमें फिर से 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके साथ यही दर 3 साल के उच्च स्तर 5.9 प्रतिशत तक जा सकती है। इसके पहले आरबीआई ने मई में रेपो रेट में 40 बेसिस प्वाइंट और जून व अगस्त में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की थी। फिलहाल वर्तमान दर 5.4 प्रतिशत है। रेपो रेट में बढ़ोतरी की अटकलें अगस्त में महंगाई से जुड़े आंकड़ों के आने के बाद से लग रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अगस्त में फिर से बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई थी। इसके पहले मई में आए सीपीआई डेटा से महंगाई के मोर्चे पर नरमी के संकेत मिले थे। दरअसल आरबीआई अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति तैयार करते समय खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

नियम उल्लंघन पर जलगांव पीपुल्स कोओपरेटिव बैंक पर आरबीआई ने लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

देश में बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों की अवहेलना करने पर जलगांव पीपुल्स कोओपरेटिव बैंक पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक के मुताबिक कोओपरेटिव बैंक ने स्थापित मानदंडों का पालन नहीं किया। आरबीआई ने 31 मार्च, 2020 तक वित्तीय स्थिति के आधार पर महाराष्ट्र के बैंक का निरीक्षण किया था। इस कोओपरेटिव बैंक ने रिजर्व बैंक के मानदंडों के अनुसार कुछ खातों को गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत नहीं किया था। इसके साथ ही ग्राहकों को सूचित किए बिना सेविंग बैंक अकाउंट में मिनिमम बैलेंस नहीं रखने के लिए दंडात्मक शुल्क लगाया था। आरबीआई ने एक अन्य बयान में कहा कि अंडमान और निकोबार स्टेट कोओपरेटिव बैंक लिमिटेड पर मानदंडों के उल्लंघन के लिए पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

केंद्रीय बैंक के अनुसार, अंडमान और निकोबार स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक ने अपने निदेशकों को असुरक्षित ऋण स्वीकृत किया है। इसलिए उस पर कार्रवाई की गई है। रिजर्व बैंक ने कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए नौ अन्य कोओपरेटिव बैंकों पर भी जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल करना नहीं है।

आर्थिक संकट के दबाव में कास्ट कटिंग को मजबूर हुई गुगल, पिचाई बोले सुविधाओं का नहीं काम का मजा लें कर्मचारी

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने अपने कर्मचारियों की यात्रा और मनोरंजन के बजट को घटा दिया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि पैसा और भत्ता सब कुछ नहीं होता है। इन बातों पर ध्यान देने के बजाय काम का मजा लीजिए। दरअसल दूसरी तिमाही को लेकर आई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि गूगल उम्मीद से कम कमाई कर पाया है। इस वजह से कंपनी ने कर्मचारियों के भत्तों में भारी कटौती की है। इसके साथ ही गूगल में नई भर्ती की प्रक्रिया भी धीमी हो गई है। कंपनी में कॉस्ट कंटिंग को लेकर सुंदर पिचाई लगातार कर्मचारियों के सवालों का सामना कर रहे हैं। गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों से कहा कि पैसा और सुविधाएं सब कुछ नहीं हैं। उन्हें मंदी और कर्मचारी लाभ के चलते कम बजट पर परेशान होने के बजाय काम में मस्ती की तलाश करनी चाहिए। मुझे याद है जब गूगल इतनी बड़ी कंपनी नहीं थी तब भी हम मजे से काम करते थे। कंपनी में हाइरिंग की धीमी प्रोसेस पर बोलते हुए सुंदर पिचाई ने बताया कि हमारे पास काम के लिए पर्याप्त लोग हैं इसलिए हमें कंपनी की ग्रोथ पर फोकस करना चाहिए। सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों से व्यापक आर्थिक स्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने कहा मैं इसे कैसे कहूं? मुझे आशा है कि आप सभी समाचार पढ़ रहे हैं। हम पिछले एक दशक में चल रहे सबसे कठिन मैक्रोइकॉनॉमिक परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। गूगल द्वारा कर्मचारियों के बजट में कटौती से कई लोगों में नाराजगी है। बता दें दुनियाभर में महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी से मंदी की आशंका गहराने लगी है। जिसके चलते विषम आर्थिक हालात पैदा हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए कई कंपनियों ने तैयारी शुरू कर दी है। गूगल और फेसबुक सहित कई तकनीकी कंपनियों को कुछ भत्तों को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

डीजीजीआई ने गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी को भेजा 21,000 करोड़ टैक्स बकाए का नोटिस

नई दिल्ली ।

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने अप्रत्यक्षकर के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीजीजीआई ने बेंगलुरू बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी पाइवेट लिमिटेड को 21,000 करोड़ रुपए के टैक्स बकाए का नोटिस भेजा है। कंपनी पर 21,000 करोड़ रुपए का जीएसटी नहीं चुकाने का आरोप है और यह कारण बताओ नोटिस 2017 से 30 जून, 2022 की अवधि के लिए दिया गया है। गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी पाइवेट लिमिटेड पर कार्ड, कैजुअल और रमी कल्चर, ग्रेमेजी, रमी टाइम जैसे फैंटेसी गेम्स के जरिए ऑनलाइन बेटिंग को बढ़ावा देने का आरोप है।

डीजीजीआई ने बेटिंग से जुड़ी 77,000 करोड़ रुपये की धनराशि पर 28 फीसदी टैक्स लगाया है। डीजीजीआई की एक रिपोर्ट मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी पाइवेट लिमिटेड अपने प्लेयर्स को पैसा दांव पर लगाकर बेटिंग से जोड़ती है और उन्हें ऑनलाइन खेले जाने वाले कार्ड गेम्स के नतीजों पर बेट लगाने की अनुमति देती है। जांच के दौरान

डीजीजीआई ने पाया कि गेम्स क्राफ्ट अपने कस्टमर्स को कोई इनवॉयस जारी नहीं कर रही थी और फर्जी/बैक डेट वाली इनवॉयस जमा कर दीं। इसका खुलासा फॉरेंसिक जांच में हुआ था। डीजीजीआई ने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को बेट लगाने के लिए प्रेरित कर रही थी, क्योंकि एक बार वॉलेट में पैसा आने के बाद उसे वापस निकालने का कोई तरीका नहीं था।

गेम्सक्राफ्ट के प्रवक्ता ने कहा, देश की सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट्स के जरिए स्किल वाले गेम्स संवैधानिक रूप से सुरक्षित गतिविधियां हैं। रमी हॉर्स रेसिंग, ब्रिज और फैंटेसी गेम्स की तरफ ऐसा ही एक घोषित गेम है। इस प्रकार यह नोटिस, देश के स्थापित कानून के विपरीत है।

ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रहा है टीम इंडिया का पलड़ा भारी

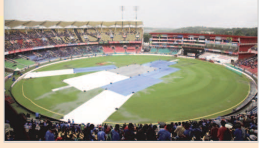

मुम्बई । टीम इंडिया और मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के बुधवार से तीन मैचों की टी20 सीरीज शुरु हो रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला तिरुवअनंतपुरम के ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैदान पर भारतीय टीम का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है और उसने अब तक हुए सभी तीनों मुकाबले आराम से जीते हैं। इसमें दो टी20 और एक एकदिवसीय मैच शामिल है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर पांच साल पहले नवंबर 2017 में अपना पहला टी20 मुकाबला न्यूजीलैंड से खेला था जिसे भारतीय टीम ने जीता था। वहीं एकदिवसीय की बात करें तो इस मैदान पर एकमात्र एकदिवसीय मैच नवंबर 2018 में भारत और वेस्टइंडीज की टीमों के बीच खेला गया था। उस मैच में टीम इंडिया ने 9 विकेट के जीत दर्ज की थी। इसके अलावा यहां अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी साल 2019 में टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के हुआ था। उस मैच में भारतीय टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस प्रकार देखा जाये तो आंकड़ों में भारतीय टीम हावी है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में भी भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में गलतियां सुधारने उतरेगी टीम इंडिया

शाम सात बजे से होगा मुकाबला

तिरुवनंतपुरम ।

टीम इंडिया बुधवार को तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला करेगी। अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। ऐसे में टीम इसमें एशिया कप में की गयी गलतियों को दूर करना चाहेगी। भारतीय टीम एशिया कप में बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी में उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पायी। तब डेथ ओवरों में भारतीय गेंदबाज विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे। इसके अलावा बल्लेबाजी में भी भारतीय टीम उम्मीद के अनुरुप रन नहीं बना पायी। अब इस सीरीज के टीम के पास विश्वकप के लिए अपनी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी को बेहतर करने का अच्छा अवसर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद उत्साहित कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि हमें डेथ ओवर्स की गेंदबाजी में सुधार करना है। इस सीरीज में भारतीय टीम ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और भुवनेश्वर कुमार के बिना ही उतरेगी। हार्दिक फिट नहीं हैं जबकि भुवनेश्वर को आराम दिया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी कोरोना संक्रमण के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं गेंदबाज हर्षल पटेल को इसमें शायद ही अवसर मिले। हर्षल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में काफी रन दिये थे। विश्व कप के लिए स्टैंडबाय के तौर पर चयनित तेज गेंदबाज दीपक चाहर को पिछली सीरीज में अवसर नहीं मिला और अब उन्हें अवसर मिल सकता है। इसके अलावा तेज अर्शदीप सिंह से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वह जसप्रीत बुमराह का साथ तेज गेंदबाजी में साथ देंगे। अर्शदीप को ऑस्ट्रेलिया सीरीज में आराम दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अच्छी गेंदबाजी की थी। चहल इस मैच में अपने प्रदर्शन में और सुधार करना चाहेंगे। इस मैच में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को अवसर मिल सकता है क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि टी20 विश्व कप से पहले सभी खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल के पास इस सीरीज से लय हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में रन बनाने में नाकाम रहे थे। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के फार्म में आने से टीम को राहत मिली है। दिनेश कार्तिक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच में फिनिशर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया था पर अन्हें कुछ गेंदें ही खेलने को मिली थीं। अब उन्हें बल्लेबाजी मे प्रमोशन मिल सकता है क्योंकि रोहित का कहना है कि उन्हें क्रीज पर अधिक समय देने की जरूरत है। अब देखना है कि विकेटकीपर के रुप में ऋषभ पंत को अवसर मिलता है या नहीं।

झूलन का कोलकाता पहुंचने पर शानदार स्वागत

कोलकाता ।

इंग्लैंड दौरे के साथ ही क्रिकेट को अलविदा कहने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का कोलकाता पहुंचने पर शानदार स्वागत हुआ है। झूलन जैसे ही हवाई अड्डे से बाहर निकली प्रशंसकों ने उनपर फूलों की बरसात सी कर दी। 39 वर्षीय झूलन ने दो दशक के अपने लंबे करियर के बाद अपना अंतिम मैच लॉर्ड्स में खेला था। 19 साल की उम्र में पदार्पण के बाद से ही झूलन ने 20 से अधिक वर्षों तक भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाजी की कमान संभाले रखी है। झूलन ने साल 2002 में चेन्नई में पदार्पण किया जबकि लॉर्ड्स अपना अंतिम मैच खेला। इस तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले लगातार समर्थन और प्रेरणा के लिए आभार जताया है। स्वदेश लौटने पर झूलन ने कहा कि महिला क्रिकेटरों को बेहतर बुनियादी ढांचे की जरुरत है जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मैचों में अधिक दक्षता से खेल सकें। झूलन ने कहा, भारत में महिला क्रिकेट को बुनियादी ढांचे के समर्थन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक खतरे के मामले में एक छोटे से धक्के की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगले साल से शुरू होने वाले महिला आईपीएल में महिला क्रिकेटरों के पासा विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर होगा। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, महिला आईपीएल से भारतीय क्रिकेटरों को बहुत जरूरी एक्सपोजर और बढ़ावा मिलेगा। मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मुझे महिला आईपीएल खेलना है या नहीं। मैंने अभी तक अपने करियर में अपने अगले कदम के बारे में फैसला नहीं किया है।

पार्मा लेडीज ओपन में मारिया सक्कारी और स्टीफेंस ने जीत दर्ज की

पार्मा । शीर्ष वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने यूक्रेन की कैटरीना बेंडल को 6.7, 6.2, 6.3 से हराकर पार्मा लेडीज ओपन टेनिस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सक्कारी को लाल क्लेकोर्ट के इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला है। वह अमरीकी ओपन के दूसरे दौर में हारने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अमरीकी ओपन 2017 चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस ने 121वीं रैंकिंग वाली मैगडालीना फ्रेंच को 3.6, 6.3, 6.4 से हराया जबकि छठी वरीयता प्राप्त अना बोगडेन ने लौरा पिगोसी को 6.1, 6.2 से शिकस्त दी। अन्ना कैरोलीना ने रेका लुका जानी को 6.2, 6.4 से हराया।

विश्व कप हॉकी : भारत का पहला मैच 13 जनवरी को स्पेन से

नयी दिल्ली,

मेजबान भारत पुरुष विश्वकप हॉकी में अपना शुरुआती मैच प्रतियोगिता के पहले दिन 13 जनवरी को अपने से कम रैंकिंग के स्पेन के खिलाफ नवनिर्मित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, राउरकेला में खेलेगा। विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर काबिज तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इंग्लैंड (विश्व रैंकिंग छह), स्पेन (विश्व रैंकिंग आठ) और वेल्स (विश्व रैंकिंग 16) के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत अपना दूसरा मैच राउरकेला में ही 15 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा और इसके बाद वह भुवनेश्वर में 19 जनवरी को वेल्स का सामना करेगा। अगले साल के शुरू में भारत में होने वाले विश्वकप हॉकी के मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन चार मैच खेले जाएंगे। इनमें भारत और स्पेन के अलावा रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना का सामना दक्षिण अफ्रीका से जबकि विश्व के नंबर एक ऑस्ट्रेलिया का फ्रांस से होगा। ये दोनों मैच भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद राउरकेला में दो मैच खेले जाएंगे जिसमें पहला मैच इंग्लैंड और वेल्स के बीच होगा जबकि दूसरे मैच में शाम सात बजे से भारत और स्पेन आमने-सामने होंगे। ओडिशा में ही 2018 में खेले गए विश्व कप में चैंपियन बनने वालद्ध विश्व की नंबर दो टीम बेल्जियम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ भुवनेश्वर में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसी दिन पूर्व चैंपियन नीदरलैंड का सामना राउरकेला में मलेशिया से होगा। पिछली बार कांस्य पदक जीतने वाला ऑस्ट्रेलिया पूल ए में है जहां उसका सामना अर्जेंटीना, फ्रांस और अफ्रीकी चैंपियन दक्षिण अफ्रीका से होगा। मौजूदा चैंपियन बेल्जियम को शीर्ष वरीयता दी गई है और उसे पूल बी में 2006 के विजेता जर्मनी, कोरिया और जापान के साथ रखा गया है। बेल्जियम विश्व रैंकिंग में दूसरे जबकि जर्मनी चौथे स्थान पर है। पूल सी में पिछली बार के फाइनलिस्ट नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और विश्व कप में पदार्पण कर रहे चिली को रखा गया है। नीदरलैंड विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि मलेशिया अपना नौवां विश्वकप खेल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल लय हासिल कर लेंगे : गावस्कर

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की फार्म को लेकर चिन्ता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि वह उसे हासिल कर लेंगे। वहीं एशिया कप के मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद से ही उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठे हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी काफी कम रहा है। इस कारण कई लोगों का मानना है कि उन्हें टी20 विश्वकप के लिए टीम से बाहर कर दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा, 'वह वही कर रहा था जो टीम उससे दोनों बार करने की उम्मीद कर रही थी। उसने पहले गेम में अर्धशतक बनाया पर दूसरे गेम में, जहां 8 ओवर का खेल था उसने पहली गेंद से शॉट खेलने का प्रयास किया। इसमें उसका विकेट निकल गया। इसी प्रकार तीसरे टी20 मैच में लक्ष्य हासिल करने के लिए 9 से अधिक का रन रेट चाहिए था। यह हासिल करना कभी आसान नहीं होता। इसके लिए उसके पास शॉट खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। ऐसे में उसका विकेट निकल गया। आप एक अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं। उन्होंने वहां पर भी अपना विकेट कुर्बान कर दिया.' गावस्कर ने कहा, 'विराट कोहली की तरह, जब राहुल गेंद के अनुसार क्रिकेट शॉट खेल रहे होते हैं, तो वह बड़ी पारी खेलते हैं पर जब ये दोनों खिलाड़ी लाइन के बाहर बल्लेबाजी करने की कोशिश कर रहे हों, तो उनके आउट होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में अगर वे इससे बचने की कोशिश करते हैं, तो वे लगातार रन बनाते रहेंगे।' वहीं कप्तान रोहित ने भी राहुल का बचाव करते हुए कहा है कि टी20 विश्वकप में वही पारी की शुरुआत करेंगे।

आईसीसी रैंकिंग : हरमनप्रीत पांचवें स्थान पर रही, स्मृति की रैंकिंग में भी सुधार

दुबई । इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ियों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। इंग्लैंड को 3.0 से हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। हरमनप्रीत ने दूसरे मैच में 111 गेंद में नाबाद 143 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। मंधाना एक पायदान चढकर छठे और शर्मा आठ पायदान चढकर 24वें स्थान पर पहुंच गई। पूजा वस्त्राकर चार पायदान चढ़कर 49वें स्थान पर है और हरलीन देयोल 46 पायदान चढकर 81वें स्थान पर है। रेणुका सिंह 35 पायदान चढकर 35वें स्थान पर पहुंच गई है। झूलन गोस्वामी पांचवीं पायदान से रिटायर हुई हैं। इंग्लैंड की डैनी वियाट दो पायदान चढकर 21वें स्थान पर है जबकि एमी जोंस चार पायदान चढकर 30वें स्थान पर है। चार्ली डीन 24 पायदान चढकर 62वें स्थान पर पहुंच गई है।

हॉकी ओलंपिक में भारत को पदक जिताना चाहती हूं : उपासना सिंह

बेंगलुरु ।

हॉकी जगत में बड़ी छलांगें लगाने वाली भारत की युवा मिडफील्डर उपासना सिंह ने मंगलवार को खुलासा किया कि वह हॉकी से पहले क्रिकेट खेला करती थीं और अब वह हॉकी ओलंपिक में देश को पदक जिताना चाहती हूं। उपासना ने कहा, 'मैं हमेशा से खेलों में रुचि रखती थी। मैंने क्रिकेट से शुरुआत की थी, लेकिन अपने कोच की सलाह पर हॉकी का रुख किया। उन्होंने कहा कि युवावस्था में हॉकी खेलते हुए उन्हें चोट लगी थी जिससे वह हॉकी खेलने के लिए और अधिक तत्पर हो गयीं। उपासना ने महज 11 साल की उम्र से हॉकी खेलने शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि हॉकी खेलते हुए मुझे कई बार चोट लगी और मैं हार नहीं मानी और दृढता और समर्पण भावना के साथ हॉकी खेलने का फैसला किया। उपासना के इस फैसले को उनके माता-पिता का समर्थन मिला, लेकिन उनके पड़ोसियों ने हॉकी खेलने के उनके फैसले पर सवाल उठाया था। उन्होंने बताया कि जब मैने हॉकी खेलनी शुरू की तो हमारे आसपास के लोग महिला हॉकी के बारे में नहीं जानते थे। आज स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। पिछले दशक में हमारी टीम के प्रदर्शन और हमारी उपलब्धियों की बदौलत हॉकी एक प्रसिद्ध खेल बन गया है। यहां तक कि मेरे परिवार के सदस्य भी अब चाहते हैं कि बेटियां हॉकी खिलाड़ी बनें। उपासना अपने हॉकी के सफर को आगे बढ़ाते हुए 2013 में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी चली गईं और इसी साल जूनियर नेशनल करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपनी टीम को रजत पदक जीतने में मदद भी की। इसके बाद उपासना ने 2016 में सीनियर राष्ट्रीय में पदार्पण किया और एक बार फिर रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा रहीं। मध्य प्रदेश की 21 वर्षीय मिडफील्डर ने कहा, 'मैं उस समय काफी छोटी थी। राष्ट्रीय टीम में खेलने से मुझे अपने खेल को विकसित करने और उस समय विभिन्न प्रकार के कौशल सीखने का मौका मिला।' उपासना को 2018 में जूनियर कैंप का हिस्सा बनने का पहला मौका मिला।

एकदिवसीय टीम के लिए नये कप्तान की तलाश कर रहा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अब एकदिवसीय टीम के लिए नये कप्तान की खोज कर रहा है। ऐसे में अनुभवी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर भी अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। इसके लिए वह उनकी कप्तानी पर लगे आजीवन प्रतिबंध को समाप्त करने का अनुरोध भी सीए से करेंगे। इससे पहले फिंच ने खराब फॉर्म के कारण एकदिवसीय क्रिकेट की कप्तानी छोड़ दी थी। एकदिवसीय विश्वकप अगले साल भारत में होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनके लिए तीनों प्रारुपों की कप्तानी संभालना संभव नहीं है क्योंकि उन्हें तेज गेंदबाज के रूप में अपना कार्यभार प्रबंधन भी करना है। ऐसे में एकदिवसीय टीम की कप्तानी के लिए वॉर्नर, पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी दावेदार हैं क्योंकि कमिंस कप्तानी संभालने के पक्ष में नहीं हैं। कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आप सभी प्रारूपों और हर मैच में खेलने जा रहे थे, तो मुझे नहीं लगता कि यह सही होगा।' उन्होंने साथ ही कहा, 'खास तौर पर एक तेज गेंदबाज के तौर पर मुझे लगता है कि आपको आराम करने के लिए कुछ समय निकालने की जरूरत है पर मुझे लगता है कि आप इसका भी प्रबंधन कर सकते हैं।' कमिंस ने कहा, 'यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मैंने वास्तव में सोचा है। मैं टेस्ट टीम की कप्तानी करके वास्तव में खुश हूं। कमिंस ने हाल ही में सीए से दक्षिण अफ्रीका में 2018 टेस्ट श्रृंखला के दौरान गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में शामिल होने के लिए बल्लेबाज वॉर्नर पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आग्रह भी किया था।

हार्दिक को आराम, शाहबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल

तिरूवनंतपुरम । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की जगह पर शाहबाज अहमद को शामिल किया है। बीसीसीआई ने पंड्या को आराम दिया है। पंड्या के अलावा कोरोना संक्रमण से अब तक नहीं उबर पाये तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया है। उनके विकल्प के तौर पर अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को रखा गया है। इसके अलावा ऑलराउंडर दीपक हुड्डा भी पीठ की जकडऩ के सीरीज से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर राष्ट्रीय चयन मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार शमी कोविड-19 से उबर नहीं पाए हैं। उन्हें और समय की जरूरत है और इसलिए वह दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला से बाहर हो जाएंगे। वहीं उमेश यादव दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए शमी के विकल्प के तौर पर टीम में बने रहेंगे। पंड्या की जगह पर शाहबाज को इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि वह तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं।

विराट कोहली का पावरगेम लौट रहा है : संजय मांजरेकर

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि विराट कोहली का 'पावरगेम' धीरे धीरे लौट रहा है और टी20 विश्व कप से पहले वह चिर परिचित लय में आ रहे हैं। कोहली ने करीब तीन साल तक खराब फॉर्म से जूझने के बाद एक महीने का ब्रेक लिया था। वह एशिया कप में फॉर्म में लौटे और भारत के लिये सर्वाधिक रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टी20 श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया। मांजरेकर ने कहा, 'एशिया कप के हर मैच से उन्होंने रन बनाए और सिर्फ रन ही नहीं बनाए बल्कि प्रदर्शन में सुधार भी हुआ है। मुझे लगता है कि पावरगेम लौट आया है। उसका अपने पावरगेम पर भरोसा लौट रहा है।' उन्होंने कहा, 'एक समय था जब उसके रन बन रहे थे लेकिन पावरगेम नहीं लौट रहा था। अब वह लौट रहा है।' उन्होंने कहा कि वह अच्छे चौके छक्के लगा रहे हैं जो अच्छा संकेत है। मांजरेकर ने कहा, 'वह अच्छी गेंदों पर चौके छक्के लगा रहा है और यह आत्मविश्वास से आता है। यह ऐसा खिलाड़ी है जिसका आत्मविश्वास जबर्दस्त है और इसी से वह उत्कृष्ट प्रदर्शन करता आया है लेकिन लंबे समय से रन नहीं बन रहे थे जिससे उसका आत्मविश्वास हिल गया था।' तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और हर्षल पटेल आस्ट्रेलिया के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए। मांजरेकर का मानना है कि भुवनेश्वर पर अतिरिक्त बोझ था। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार पर जरूरत से ज्यादा बोझ है और वह काफी क्रिकेट खेल रहा है। उसने सारे मैच खेले और इस श्रृंखला में भी। उसे ब्रेक की जरूरत है जिसके बाद वह तरोताजा होकर खेलता है।' उन्होंने कहा, 'हर्षल पटेल की अपनी सीमाएं हैं। भारत को तीसरे तेज गेंदबाजी विकल्प के लिए और विकल्प आजमाने चाहिए। मोहम्मद शमी भी एक विकल्प है।'

टीम से बाहर होने के दौरान गेंदबाजी पर ध्यान दिया : कुलदीप

चेन्नई । चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि खेल से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी गेंदबाजी पर विचार किया तब उन्हें समझ आया कि उन्हें तेजी से गेंद फेंकनी चाहिये। कुलदीप ने कहा कि अब वह विफल होने से नहीं डरने। कुलदीप ने भारत की ओर से सात टेस्ट 69 एकदिवसीय और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि जब आप विफल होते तो आप सीखते हो। जब मैंने जनवरी में भारतीय टीम में वापसी की तो मैं असफलता से डरा नहीं था, मैं खेल का आनंद लेना चाहता था। मेरा ध्यान अच्छी गेंदबाजी पर लगा था क्योंकि विकेट मिलना मेरे हाथों में नहीं था। मैं सिर्फ अच्छी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी करना चाहता था। कुलदीप ने कहा कि जब मैं चोटिल हुआ और इसके बाद वापसी करने के लिए मुझे मेरी लय समझना बहुत जरुरी था। मैं थोड़ा धीमा था। सर्जरी के बाद मैंने उस लय में बदलाव किया, मैं अधिक नियंत्रण से गेंदबाजी करने लगा। कुलदीप को पिछले साल सितंबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान घुटने की चोट लगने के बाद सर्जरी करानी पड़ी। वहीं लंबे रिहैब के बाद उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में शामिल किया गया और फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ तीन टी-20 मैचों में भी उन्हें चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह लिया गया।

30 सितम्बर को पीएम नरेन्द्र मोदी देंगे गुजरात को वंदे भारत ट्रेन का उपहार

– गांधीनगर रेलवे स्टेशन से प्रधानमंत्री दिखायेंगे वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी

– गुजरात की राजधानी गाँधीनगर से मुंबई के बीच दौड़ेगी सेमी हाईस्पीड ट्रेन

गाँधीनगर ।

29 और 30 सितम्बर को गुजरात दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने गृह राज्य को एक बड़ा उपहार देने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री 30 सितम्बर को राज्य की राजधानी गाँधीनगर से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे राज्यमंत्री दर्शना जरदोष भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पिछले एक वर्ष में राज्य में परिवहन सुविधाओं को दृढ़ बनाने के लिए उल्लीखनीय कार्य किया है, ऐसे में यह वंदे भारत ट्रेन गुजरात के नागरिकों के लिए पब्लिक ट्रान्सपोर्ट की सुविधा बढ़ायेगी। दिल्ली की दो रूटों पर बड़ी सफलता के बाद भारत की पहली स्वदेशी सेमी हाई स्पीड ट्रेन अब गुजरात की पटरियों पर भी दौड़ती दिखाई देगी। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही गुजरात में वंदे भारत ट्रेन का सफल ट्रायल भी किया गया था।

‘KAVACH’ तकनीक से युक्त पहली वंदे भारत ट्रेन

गुजरात में चलने वाली इस वंदे भारत ट्रेन में पहली बार KAVACH (Train Collision Avoidance System) तकनीक को लॉन्च किया जा रहा है। इस तकनीक की मदद से दो ट्रेनों की आमने-सामने से होने वाली टक्कर जैसी दुर्घटनाओं को अब रोका जा सकेगा। इस तकनीक को देश में ही विकसित किया गया है जिसके कारण इसकी लागत काफी कम है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा 2022 के बजट में 2,000 किलोमीटर तक के रेल नेटवर्क को ‘कवच’ के तहत लाने की योजना के बारे में ऐलान किया गया था और मार्च 2022 में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका सफल परीक्षण भी किया था।

बहुत खास है वंदे भारत ट्रेन

स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड के नाम से प्रसिद्ध यह ट्रेन 0 से 100 किमी. प्रति घंटे तक की गति मात्र 52 सेकंड में प्राप्त कर लेती है। इस ट्रेन में यात्रियों की सुविधाओं के लिए स्लाइडिंग फुटस्टेप्स के साथ-साथ टच फ्री स्लाइडिंग डोर के साथ स्वचालित प्लग दरवाजे भी लगे हुए हैं। एसी की मॉनिटरिंग के लिए कोच कंट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम, और कंट्रोल सेन्टर व मेन्टेनेन्स स्टाफ के साथ कम्युनिकेशन एवं फीडबैक के लिए तस्स्लतक्का जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

दिव्याँग यात्रियों के लिए विशेष शौचालय, और सामान्य यात्रियों के लिए टच-फ्री एमिनिटीस वाले बायो वैक्यूम टॉयलेट्स की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए सीटों में ब्रेल लिपि के साथ सीट संख्या उकेरी गई है ताकि ऐसे यात्री अपनी सीटों तक आसानी से पहुँच सकें। इतना ही नहीं, आधुनिक तकनीक की बात करें तो इस ट्रेन में बेहतर ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन के लिए लेवल-द्धद्ध सेफ्टी इंटीग्रेशन सर्टिफिकेशन, कोच के बाहर रियर व्यू कैमरों सहित 4 प्लेटफार्म साइड कैमरे, सभी कोचों में एस्पिरेशन आधारित फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स और शौचालयों में एरोसोल आधारित फायर डिटेक्शन एंड सप्रेस सिस्टम जैसे बेहतर अग्निशमन सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

आयातित ट्रेन से आधी लागत में तैयार हो जाती है वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारत में यात्री यात्रा के एक नए युग की शुरुआत की है। मात्र 100 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह ट्रेन समान सुविधा वाली आयातित ट्रेन से लगभग आधी लागत में बनकर तैयार हो जाती है। माननीय प्रधान मंत्री के च्मेक इन इंडियाज्‍ के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, ट्रेन की प्रमुख प्रणालियों को भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है।

अगस्त 2023 तक देश भर में 75 वंदे भारत ट्रेनें चलाने का है लक्ष्य

उल्लेखनीय है कि गुजरात में चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन है। अन्य दो ट्रेनें दिल्ली-वाराणसी और नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलाई जा रही हैं। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में, माननीय प्रधान मंत्री ने अगस्त 2023 तक देश भर में 75 वंदे भारत ट्रेनें चलाने का लक्ष्य रखा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला अहमदाबाद का 72 वर्षीय अब्दुल वहाब गिरफ्तार

अहमदाबाद।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले अब्दुल वहाब नामक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अब्दुल वहाब अपने रिश्तेदारों के दस्तावेज पर सिमकार्ड हासिल कर उसे एक्टिवेट करने के बाद पाकिस्तान भेजता था। जिसका उपयोग जासूसी के लिए किया जाता था। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद क्राइम ब्रांच पूर्व सूचना के आधार पर पुराने अहमदाबाद में रहनेवाले ।2 वर्षीय अब्दुल वहाब की निगरानी कर रही थी। जानकारी पुख्ता होने के बाद क्राइम ब्रांच ने अब्दुल वहाब को गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ है कि अब्दुल वहाब अपने परिचित और रिश्तेदारों के डोक्यूमेंट के आधार पर सिमकार्ड हासिल करता था। जिसके पश्चात उसे एक्टिवेट कर पाकिस्तान की खुफिया एजंसी आईएसआई को भेजता था। पाकिस्तानी खुफिया एजंसी अब्दुल वहाब द्वारा भेजे गए सिमकार्ड का उपयोग भारत की जासूसी करने के लिए करती थी। अब्दुल वहाब सरकारी वेबसाइट जैसी क्लोन वेबसाइट बनकर भारतीय सेना के सेवा निवृत्त जवानोंऔर अधिकारियों की जानकारी एकत्रित कर पाकिस्तान भेजता था। आरोपी अलग अलग सिमकार्ड खरीदकर दिल्ली स्थित पाकिस्तान इंटेलिजन्स ऑफीसर शफाकत जतोई तक पहुंचाता था और उस नंबर से शफाकत जतोई वॉट्सएप एप्लिकेशन डाउनलोड करता था। जिसे एक्टिव करने के लिए अब्दुल वहाब खरीदे हुए सिमकार्ड का ओटीपी शफाकत को देता था। वॉट्सएप एक्टिव होने के बाद भारत की गुप्त जानकारी पाकिस्तान पहुंचाई जाती थी। भारतीय सिमकार्ड पर पाकिस्तान से कॉलिंग और चेटिंग की जाती थी। इतना ही नहीं फेक वेबसाइट से भारती सेना के सेवा निवृत्त जवानों और अधिकारियों से संपर्क किया जाता था। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार अब्दुल वहाब का परिवार पाकिस्तान के खैबर पख्तून का मूल निवासी है।

जो वर्ष 1930-32 के दौरान भारत आकर बस गया था। हांलाकि अब्दुल वहाब का आधा परिवार आज भी पाकिस्तान के खैबर पख्तून में रहता था। जिसकी वजह से आरोपी अब्दुल वहाब तीन-चार दफा पाकिस्तान में अपनी परिवार से मिलने जा चुका है। पाकिस्तानी इंटेलिजन्स के संपर्क में अब्दुल वहाब तब आया जब वह विजा के लिए दिल्ली गया था। भारत विरोधी गतिविधियों के लिए अब्दुल वहाब को रुपए भी मिले होने का जांच में खुलासा हुआ है। पिछले 3 साल से इस गतिविधि में शामिल अब्दुल वहाब अब तक 10 सिमकार्ड पाकिस्तान भेज चुका है।

ताड़का वध, मारीच सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार और पुष्प वाटिका लीला ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया

सूरत भूमि, सूरत। वेसू के रामलीला मैदान पर श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव में ताड़का वध लीला का मंचन हुआ। मंचन देखने के लिए लोग में भी उत्साह है। वृंदावन से आए कलाकारों ने सुंदर अभिनय के माध्यम से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। रामलीला मंचन में मंगलवार की रात्रि महर्षि विश्वामित्र और राजा दशरथ संवाद में राजा दशरथ से राक्षसों के संहार के लिए भगवान राम को मांग करते हैं। जिससे ऋषि मुनियों को राक्षसों के संहार से बचाया जा सके। महर्षि विश्वामित्र भगवान राम को घनघोर दंडक वन में लेकर जाते हैं जहां पर राक्षसी ताड़का का वास होता है। ताड़का नामक राक्षसी ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करती है तथा उनके यज्ञ में बाधा उत्पन्न करती हैं। इस दौरान दंडक वन में भगवान श्रीराम और राक्षसी ताड़का के बीच युद्ध होता है जिसमें मारीच व सुबाहु की बहन राक्षसी ताड़का का भगवान श्रीराम वध कर देते हैं। सभी ऋषि मुनि प्रसन्न हो जाते हैं। इसके बाद ताड़का के दोनों भाई मारीच और सुबाहु के साथ भगवान श्रीराम का युद्ध होता है। इस युद्ध में भगवान श्रीराम का बाण लगने से मारीच सौ योजन दूर जाकर गिरता है तथा सुबाहु मृत्यु को प्राप्त होता है।

ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर गुरु की पूजा के लिए राम फूल लेने के लिए राजा जनक की वाटिका में जाते हैं। वाटिका में जनक नंदनी सीता अपनी बहनों और सखियों के साथ वाटिका में गौरी पूजा के लिए आती है। वाटिका में श्रीराम और सीता एक दूसरे को वह पहली बार देखते हैं। सीता जी मां पार्वती से अपने मन में पति रूप में श्री राम की कामना करती है। पुष्प वाटिका की सुंदर झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस मौके पर श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के उपाअध्यक्ष सुरेश गोयल, मंत्री अनिल अग्रवाल ,सुशील बंसल कोषाध्यक्ष रतन गोयल ,लीला मंत्री गणेश भाई आदि मौजूद रहे।

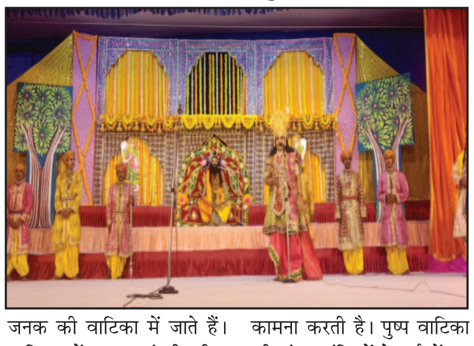

कांग्रेस के “चलो बूथ की ओर” अभियान को अभूतपूर्व प्रतिसाद

सूरत।

युवा कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता शान खान ने बताया कि कांग्रेस द्वारा 24,25,26 सितंबर को समूचे गुजरात प्रदेश में मेरा बूथ, मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत चलो बूथ की ओर कार्यक्रम के तहत जनसंपर्क अभियान चला गया जिसे लोगों का अभूतपूर्व प्रतिसाद प्राप्त हुआ और समूचे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केवल 3 दिन के भीतर 1.50 करोड़ वचन पत्र घर-घर पहुचाने में सफतला प्राप्त की। शान खान ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के कुशासन और भ्रष्टाचार से गुजरात की जनता त्रस्त आ चुकी और लोगों ने अब परिवर्तन का मन बना लिया हैं। गुजरात के लोगों को कांग्रेस का जनहितकारी व जनकल्याणकारी शासन याद आ रहा हैं ऐसे में गुजरात की जनता प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुकी हैं। कांग्रेस के कार्यक्रमों और अभियानों को लोगों की तरफ से मिल रहा प्रेम यह दर्शाता हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से कांग्रेस को प्रचंड विजय प्राप्त होगी।

चोर के संदेह में युवक को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई, पुलिस ने संदिग्धों को लिया हिरासत में

सूरत।

शहर के अमरोली क्षेत्र में चौंकाने वाली एक घटना सामने आई है। जिसमें चोर होने के संदेह स्थानीय लोगों ने एक युवक की बेरहमी से इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। सीसीटीवी फूटेज और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में मारपीटी की वजह से युवक की मौत का खुलासा होने के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास रहनेवाले संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है। दरअसल सूरत के अमरोली क्षेत्र में एक युवक की लाश मिली थी। अमरोली के कोसाड रोड स्थित हरेकृष्ण रेसीडेन्सी में एक दुकान के बाहर कुर्सी पर युवक का शव रखा होने की खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत मारपीट की वजह होने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिया। जिसमें पता चला कि आसपास के लोगों ने युवक की निर्दयतापूर्वक पिटाई की थी और बाद में उसे दुकान के बाहर रखी कुर्सी पर बिठा दिया। कुर्सी पर बैठे बैठे ही युवक की मौत हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर आसपास रहने वाले कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

सूरत भूमि, सूरत। आशीर्वाद नगर पांडेसरा में नव दुर्गा मित्र मंडल द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा में सूरत महानगर पालिका की मेयर हेमाली बोधावाला तथा विस्तार के पार्षद बनसू भाई यादव एवं विमल गुप्ता के द्वारा मां जगदंबा की आरती की गई।

त्योहारों के इस सीजन में गुजरात के एमेजॉन ग्राहक कुछ ही घंटों के अंदर सेम-डे डिलीवरी का आनंद उठा सकते हैं

एमेजॉन इंडिया ने आज घोषणा की कि भारत के 50 से अधिक प्रमुख शहरों और कस्बों में 4 घंटों के भीतर डिलीवरी कराई जाएगी। इसके साथ ही प्राइम मेंबर्स कुछ ही घंटों के भीतर सेम-डे डिलीवरी का आनंद उठा सकते हैं। एमेजॉन पर हजारों उत्पाद बिकते हैं जिनमें से वायरलेस, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, किताबें, खिलौने, बेबी, मीडिया, किचन, लग्जरी, स्पोर्ट्स, वीडियो गेम्स, पर्सनल केयर इक्विपमेंट जैसी कैटेगरी में आइटम की डिलीवरी ऑर्डर करने के कुछ ही घंटे में हो जाएगी। पिछले साल की तुलना में इस साल कुछ ही घंटों में सेम-डे डिलीवरी का विकल्प ढाई गुना से अधिक पिनकोड में उपलब्ध कराया गया है। पिछले साल यह सुविधा मात्र 14 शहरों में थी परंतु इस साल यह सुविधा बढ़ाकर 50 शहरों में उपलब्ध कराई जा रही है जिसमें गुजरात के अन्य शहरों में सूरत और अहमदाबाद भी शामिल हैं।

अभिनव सिंह, डायरेक्टर, कस्टमर फुलफिलमेंट, सप्लाई चैन एंड एमेजॉन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज, एमेजॉन इंडिया ने बताया “हम हमेशा अपने ग्राहकों को सुविधा एवं डिलीवरी के नवीनतम विकल्प प्रदान करने के लिए लगातार इनोवेशन कर रहे हैं। सेम-डे डिलीवरी तथा कुछ ही घंटों में डिलीवरी इस तरह के इनोवेशन का एक नवीनतम उदाहरण है जिससे ग्राहकों को ज्यादा विकल्प के साथ तेजी से डिलीवरी की सुविधा प्राप्त होती है। हम विशेष रूप से छोटे शहरों और कस्बों में में इसे पेश करने के लिए विशेष रूप से उत्साहित हैं, जो डिलीवरी की गति के मामले में कम सेवा प्रदान करते हैं 7 इसके लिए हम छोटे शहरों एवं कस्बों के केंद्र में स्पेशल बिल्डिंग के अंदर सभी जरूरी सामान को स्टोर कर रहे हैं ताकि आर्डर करते ही ग्राहक हो कम समय में डिलीवरी प्राप्त हो सके। खासतौर पर जब स्पेशल बिल्डिंग शहर के भीतर ही स्थित होती है तो ऐसे में हमारे सहयोगी जो सेम-डे डिलीवरी प्रदान करते हैं, उन्हें नौकरी के बेहतरीन अवसर भी प्राप्त होते हैं।”

सबसे पहले 2017 में एमेजॉन ने भारत में सेम-डे डिलीवरी की शुरुआत की थी। एमेजॉन ने अपने वनडे एवं सेम-डे डिलीवरी नेटवर्क का विकास काफी तेजी के साथ किया है जिससे अब यह कंपनी अपने ग्राहकों को तेजी से विश्वसनीय और सुविधाजनक डिलीवरी उपलब्ध करा रही है। डिलीवरी विकल्पों को और भी सक्षम बनाने के लिए कंपनी ने इसमें लगातार निवेश करना जारी रखा है। हम ग्राहक स्थान के करीब विशेष इमारतों में आवश्यक वस्तुओं को संग्रहीत करके और हमारे वितरण नेटवर्क को ग्राहकों और प्रधान सदस्यों के करीब होने में सक्षम करके ऐसा करने में सक्षम हैं। सेम-डे डिलीवरी सहयोगियों के लिए नौकरी के बेहतरीन अवसर भी प्रदान करती है, खासकर जब से साइट स्थान शहर के भीतर हैं ।

अमेरिका और कनाडा में व्यस्त छुट्टियों के मौसम से पहले, वॉलमार्ट भारतीय विशेषज्ञों को बाजार विस्तार का अवसर प्रदान करता है

वॉलमार्ट ने 27 सितंबर को दिल्ली में एक दिवसीय ग्लोबल सेलर समिट का आयोजन किया। अमेरिका में कौन सी भारतीय कंपनियां। और कनाडा में वॉलमार्ट के ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। स्थानीय और वैश्विक वॉलमार्ट विशेषज्ञों, लॉजिस्टिक्स और फिनटेक सेवा प्रदाताओं से विवरण सुनने के लिए 500 से अधिक भारतीय निर्माताओं, ब्रांडों और विक्रेताओं ने भाग लिया, और भारतीय कंपनियां जो पहले से ही वॉलमार्ट मार्केटप्लेस पर हैं, वास्तव में अभी फल-फूल रही हैं।

- भारतीय विक्रेता को अपना यूएस भुगतान करना होगा बाजार में आकर्षित करने के लिए एक प्रमुख अभियान जनवरी में शुरू हुआ। वॉलमार्ट अब उन भारतीय विक्रेताओं का स्वागत कर रहा है जो कनाडा में भी इसके मार्केटप्लेस में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- पिछले 30 वर्षों से, वॉलमार्ट कनाडा के खुदरा क्षेत्र में कनाडा के सबसे प्रमुख ब्रांडों में से एक रहा है। यह देश भर में 400 से अधिक स्टोर संचालित करता है और कनाडा के सबसे बड़े ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं और सबसे तेजी से बढ़ते मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म में से एक है।
- उत्तरी अमेरिका में खुदरा विक्रेताओं के लिए शीतकालीन अवकाश वर्ष का सबसे व्यस्त समय होता है। वॉलमार्ट के आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता अक्टूबर में अपनी छुट्टियों की खरीदारी पर शोध करना शुरू करते हैं, जबकि नवंबर और दिसंबर में बिक्री सपाट रहती है।
- वॉलमार्ट, वॉलमार्ट फुलफलिमेंट सर्विसेज़ (तेज़ और आसान शिपिंग के लिए) और वॉलमार्ट कनेक्ट (लक्षित मौसमी प्रचारों के लिए) जैसे टूल के साथ भारतीय खुदरा विक्रेताओं को खरीदारी के इस महत्वपूर्ण मौसम का लाभ उठाने में मदद करने के लिए कमर कस रहा है।
- वॉलमार्ट भारतीय विक्रेताओं के लिए घर, परिधान, चमड़े के सामान, और सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल जैसी अधिक मांग वाली श्रेणियों में जबरदस्त संभावनाएं देखता है।
- भारतीय कंपनियां डीटीसी निर्यात की सफलता के लिए वॉलमार्ट मार्केटप्लेस का लाभ उठाती हैं। वॉलमार्ट ने वेलस्पन जैसे शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं को अपने व्यवसाय में डी200 बिक्री जोड़ते हुए देखा है, जबकि नए डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड जैसे रागे कॉफी और मेन्सा ब्रांड भी बोर्ड में आए हैं, और इस प्लेटफॉर्म पर विदेशी बाजारों में विस्तार किया है।

मिचेल, मी, वीपी, इमर्जिंग मार्केट्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट, ग्लोबल सोर्सिंग- वॉलमार्ट कहते हैं, “वॉलमार्ट भारत में विक्रेताओं के साथ अपने जुड़ाव को गहरा कर रहा है और विदेशों में अपने व्यापार का समर्थन करने के लिए टूल और सेवाओं में निवेश कर रहा है। हम अधिक से अधिक भारतीय कंपनियों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।”

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)